राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 09 जुलाई 2024 वर्ष–7,अंक–166 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुरी के समुद्री तट पर पहुंचीं राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं-

प्रकृति समझाती है जीवन का सार

नई दिल्ली। (एजेंसी)

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने फिर प्रकृति की मानव जाति के लिए अहमियत बताई। उन्होंने कहा, रोज़मर्रा की भागदौड़ में हम मदर नेचर से अपना संबंध खो देते हैं। मानव जाति मानती है कि उसने प्रकृति पर कब्ज़ा कर लिया है और अपने अल्पकालिक लाभों के लिए इसका दोहन कर रही है। इसका नतीजा सभी देख सकते हैं। इस गर्मी में, भारत के कई हिस्सों में भीषण हीट वेव चली। हाल के वर्षों में हमने देखा कि दुनिया असामान्य मौसम की मार झेल रही है। हालात इशारा कर रहे हैं कि आने वाले दशकों में स्थिति और भी बदतर हो सकती है। इसके बाद राष्ट्रपति ने ग्लोबल वॉर्मिंग से होने वाले नुकसान का जिक्र किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार सुबह पवित्र शहर पुरी के समुद्र तट पर पहुंची। श्री जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा में भाग लेने के अगले दिन उन्होंने प्रकृति के साथ बिताए अपने इस अनुभव के बारे में विचार लिखे। एक्स पोस्ट में राष्ट्रपति ने लिखा, ऐसी जगहें हैं जो हमें जीवन का सार समझाती हैं और हमें याद दिलाती हैं कि हम प्रकृति का हिस्सा हैं।

पहाड़, जंगल, नदियाँ और समुद्र तट हमारे भीतर की किसी चीज़ को कुरेदते हैं हमें आकर्षित करते हैं। आज जब मैं समुद्र तट पर टहल रही थी, तो मुझे वातावरण से एक जुड़ाव सा महसूस हुआ। मध्यम हवा, लहरों के शोर और पानी के विशाल फैलाव विचारों में खो जाने वाला अनुभव था। उन्होंने आगे कहा, इससे मुझे एक गहन आंतरिक शांति मिली, जो मैंने कल महाप्रभु श्री जगन्नाथजी के दर्शन के समय भी महसूस की थी। और ऐसा अनुभव करने वाली मैं अकेला नहीं हूँ; हम सभी को ऐसा महसूस हो सकता है जब हम किसी ऐसी चीज़ का सामना करते हैं जो हमसे कहीं बड़ी है, जो हमें सहारा देती है और हमारे जीवन को सार्थक बनाती है। उन्होंने लिखा है, पृथ्वी की सतह का सत्तर प्रतिशत से ज़्यादा हिस्सा महासागरों से बना है, और ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से वैश्विक समुद्र स्तर बढ़ रहा है, इससे तटीय क्षेत्रों के डूबने का खतरा भी बढ़ा है। महासागर और वहां पाए जाने वाली वनस्पतियों और जीवों की समृद्ध विविधता को विभिन्न प्रकार के प्रदूषण से भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। सौभाग्य से, प्रकृति की गोद में रहने वाले लोगों ने ऐसी परंपराएँ कायम

रखी हैं जो हमें रास्ता दिखा सकती हैं। उदाहरण के लिए, तटीय क्षेत्रों के निवासी समुद्र की हवाओं और लहरों की भाषा जानते हैं। हमारे पूर्वजों का अनुसरण करते हुए, वे समुद्र को भगवान के रूप में पूजते हैं। अपने भावों को विराम देते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने लिखा है, मेरा मानना है कि पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण की चुनौती का सामना करने के दो तरीके हैं; व्यापक कदम जो सरकारों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की ओर से उठाए जा सकते हैं, और छोटे, स्थानीय कदम जो हम नागरिकों के रूप में उठा सकते हैं।

पहला कॉलम

जनता को लोकतांत्रिक हक का इस्तेमाल करने दे : गहलोत

जयपुर । (एजेंसी)

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि भजनलाल सरकार लोगों को जयपुर में धरना प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि भजनलाल सरकार इस तरह की अलोकतांत्रिक कार्यप्रणाली ना अपनाए एवं जनता को उसके लोकतांत्रिक हक का इस्तेमाल करने दे। पूर्व सीएम गहलोत ने एक्स पर लिखा, कई युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने मेरे कार्यालय में आकर और सोशल मीडिया के माध्यम से बताया है कि वे बेरोजगारी भत्ता, रोजगार, राजीव गांधी युवा मित्र बहाली, भर्तियों की घोषणा जैसे मुद्दों पर जयपुर में धरना प्रदर्शन करना चाहते हैं परंतु प्रशासन उन्हें भजनलाल सरकार के दबाव में अनुमति नहीं दे रहा है। कांग्रेस नेता गहलोत ने कहा कि धरना प्रदर्शन के लिए आरक्षित शहीद स्मारक से भी उन्हें बार-बार बल-प्रयोग कर भगाया गया है जो कि उचित नहीं है। उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र में अपने हक के लिए शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन जनता का अधिकार है। उनकी बात सुनना राज्य सरकार का कर्तव्य है। मैं सरकार एवं पुलिस प्रशासन से आग्रह करता हूं कि इस तरह की अलोकतांत्रिक कार्यप्रणाली ना अपनाएं एवं जनता को उनका लोकतांत्रिक हक इस्तेमाल करने दें।

बब्बर खालसा का आतंकवादी पकड़ाया, हथियार गोला-बारुद बरामद

चंडीगढ़। (एजेंसी)

पंजाब पुलिस ने सिमरनजीत बबलू को गिरफ्तार किया है, जो बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) का सदस्य है। सिमरनजीत पूर्व आतंकवादी रतनदीप सिंह की हत्या करने के मामले में भी शामिल था। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने सोमवार को एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा-इस मॉड्यूल को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविंदर रिंदा और अमेरिका स्थित गोपी नवांशहरिया संचालित कर रहा था। उन्होंने कहा कि सिमरनजीत के पास से भारी मात्रा में गोला-बारूद और अत्याधुनिक हथियार बरामद किए गए हैं। आगे की जांच जारी है। इस बीच बीएसएफ ने कहा कि दो अलग-अलग तलाशी अभियानों में एक पाकिस्तानी ड्रोन और हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया गया है। बरामद ड्रोन चीन में बना है। इसकी पहचान डीजेआई माविक-3 क्लासिक के रूप में की गई है। अधिकारियों ने बताया कि खुफिया जानकारी और बीएसएफ जवानों की सक्रियता से एक बार फिर सीमा पार तस्करों के नापाक मंसूबों को नाकाम करने में सफलता मिली है।

छुट्टियों में भी सुप्रीम कोर्ट ने खूब की सुनवाई,1170 मामले निपटाए

नई दिल्ली। (एजेंसी)

करीब दो महीने की छुट्टियों के दौरान पहली बार सुप्रीम कोर्ट में रिकॉर्ड 20 बेंच लगाई गईं। इन बेंचों ने वकीलों की सहमति से इतने मामले सुलझा लिए कि छुट्टी के दौरान सुनवाई के लिए रखे गए मामलों की लिस्ट ही खत्म हो गई। न्यायालय में गर्मी की छुट्टियों के बाद सोमवार से नियमित कामकाज फिर से शुरू हो गया है। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली बेंच अगले कुछ हफ्तों में फैसले सुनाएंगी। इन फैसलों में 3 फैसले 9 जजों की बेंच द्वारा, 2 फैसले 7 जजों की बेंच द्वारा और 2 फैसले 5 जजों की बेंच द्वारा सुनाए जाएंगे। गौर करने वाली बात यह है कि छुट्टियों के दौरान निपटाए गए मामलों की संख्या में पिछले साल की तुलना में तीन गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। इस साल छुट्टियों में लगभग 1170 मामले सुलझाए गए थे, जबकि 2017 में यह संख्या 461 के आसपास थी।

इस बारे में चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि लोग हमें सिर्फ सुबह 10:30 बजे से शाम 4 बजे तक कोर्ट में बैठे देखते हैं, जहां हम 40 से 60 मामलों की सुनवाई करते हैं। असल में, अगले दिन की सुनवाई के लिए तैयार होने के लिए हम जितना काम करते हैं, वह कोर्ट में सिर्फ केस सुनने के समय के मुकाबले कहीं ज्यादा होता है। चीफ जस्टिस ने कहा कि हर जज अगले दिन की सुनवाई के लिए केस की फाइलें पढ़ने में बराबर समय लगाता है। फैसले सुनाने का काम हफ्ते के दफ्तरी दिनों में होता है। शनिवार को हर जज फैसलों को लिखने (डिक्टेट करने) का काम करता है। रविवार को हम सब आने वाले सोमवार की सुनवाई के लिए तयशुदा केस पढ़ते हैं। इस तरह, बिना किसी छुट्टी के, सुप्रीम कोर्ट का हर जज हफ्ते के सातों दिन काम करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने माना पेपर लीक हुआ

सुप्रीम कोर्ट ने माना पेपर लीक हुआ, अगली सुनवाई 11 जुलाई को

एनटीए और सरकार ने अब तक आरोपियों को पहचानने के लिए क्या कदम उठाए

नई दिल्ली। मेडिकल एंट्रेस परीक्षा नीट-2024 विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि पेपर लीक हुआ है सवाल ये है कि इसका दायरा कितना बड़ा है। ये समझना जरूरी है कि पेपर लीक कितना व्यापक है? सिर्फ दो लोगों की चीटिंग की वजह से पूरी परीक्षा रद्द नहीं की जा सकती है। कोर्ट ने कहा हम जानना चाहते हैं कि एनटीए और सरकार ने अब तक पेपर लीक के आरोपियों को पहचानने के लिए क्या कदम उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अब इस मामले की सुनवाई 11 जुलाई तय की है।

ये भी ध्यान देने की बात है कि लीक कैसे हुआ। अगर पेपर सोशल मीडिया से लीक हुआ तो लीक व्यापक हो सकता है। अगर लीक टेलीग्राम, व्हाट्सएप जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से हुआ, तो ये जंगल में आग की तरह फैला हो सकता है। दूसरी ओर, अगर लीक 5 तारीख की सुबह हुआ है, तो इसके फैलने का समय सीमित रहा है। मेडिकल एंट्रेस परीक्षा नीट-2024 विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। आज सुनवाई के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने पूछा, किस आधार पर दोबारा परीक्षा की मांग कर रहे हैं? सीनियर वकील नरेंद्र हुड्डा अगर सिस्टम लेवल पर गलती पाई जाती है, तो पूरी परीक्षा की पवित्रता से समझौता होगा। गलत तरीकों से रैंक लाने वालों की पहचान नहीं हो

पा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम ऐसे एक भी कैंडिडेट को आगे नहीं बढ़ने देंगे जिसने गलत तरीकों का इस्तेमाल किया है।

अदालत 38 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर रहा है। इनमें से 34 याचिकाएं छात्रों, शिक्षकों और कोचिंग इंस्टीट्यूट्स ने दायर की हैं, जबकि चार याचिकाएं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एनटीए ने लगाई हैं। 50 से ज्यादा याचिकाएं दोबारा परीक्षा के खिलाफ याचिका लगाई है। बता दें इस साल 5 मई को नीट परीक्षा हुई थी। 571 शहरों के 4,750 परीक्षा केंद्रों पर करीब 24 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। लेकिन यह परीक्षा विवादों में आ गई।

पेपर लीक और 1563 छात्रों को ग्रेस मार्क देने के बाद कई छात्रों ने धांधली और गड़बड़ी का आरोप लगाया था। इसे लेकर कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए। विपक्षी दलों ने संसद में यह मुद्दा उठाया।

महिला होकर महिलाओं के साथ अत्याचार पर चुप्पी.....ममता पुतला फूंका

रेवाड़ी । (एजेंसी)

हिंदू धर्मशास्त्रों के अनुसार जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। लेकिन, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं एक महिला हैं और उन्हीं की शह पर राज्य में महिलाओं पर न केवल असहनीय अत्याचार हो रहे हैं, बल्कि उनकी अस्मत के साथ खिलवाड़ हो रहा है। और ममता चुप्पी साधे हुए हैं। यह कहना है भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों व महिला कार्यकर्ताओं का। जिन्होंने इसके विरोध में ममता का पुतला फूंककर जिला उपायुक्त के माध्यम से केंद्रीय गृहमंत्री को ज्ञापन सौंपकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच व दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की गुहार लगाई है। बंगाल में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार से आक्रोशित भाजपा महिला मोर्चा की महिलाओं ने कहा कि बड़े शर्म की बात है कि महिला मुख्यमंत्री के सबकुछ संज्ञान में होने के बाद किस कदर उन्हीं के राज्य में महिलाओं की ये दुरशाश हो रही है। उन्होंने स्मृति ईरानी के उस बयान को भी मीडिया के सामने रखा जिसमें उन्होंने ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि ममता की शह पर उनके गुंडे पहले महिलाओं की रेकी कर उन्हें उठाकर ले जाते हैं और तब तक नहीं छोड़ते जब तक उनका मन नहीं भर जाता।

केंद्र सरकार पूर्ण बजट में स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण विकास के लिए बढ़ा सकती है राशि

नई दिल्ली। (एजेंसी)

केंद्र सरकार के 2025 के पूर्ण बजट में स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण विकास से संबंधित सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के लिए ज्यादा धनराशि आवंटित की जा सकती है। इसका उद्देश समाज के कमजोर वर्गों को राहत देना और ग्रामीण मांग को बढ़ाना है। वित्तमंत्री सीतारमण 23 जुलाई को बजट पेश करेंगी । एक अधिकारी ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि ग्रामीण भारत पर अधिक ध्यान देने की जरुरत है और इसकी झलक सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के लिए बजट आवंटन में दिख सकती है। एक रिपोर्ट में संभावना जताई है कि अंतरिम बजट की तुलना में राजस्व खर्च बढ़ सकता है। इसके लिए नई योजनाएं आ सकती हैं या योजनाओं में आंवटन बढ़ाया जा सकता है। सरकार का राजस्व व्यय 37 लाख करोड़ से 37.1 लाख करोड़ रुपए रह सकता है, जो अंतरिम बजट से 50,000 से 60,000 करोड़ ज्यादा है। यह पिछले साल के मुकाबले 6 से 6.3 फीसदी ज्यादा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अतिरिक्त आवंटन व्यापक तौर पर ब्याज और सब्सिडी से अलग होने की संभावना है। एक समाजशास्त्री का कहना है कि शिक्षा पर आम लोगों का खर्च शून्य से लेकर 2 लाख रुपए सालाना तक है, जिससे पता चलता है कि शिक्षा में कितनी ज्यादा असमानता है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए भी बजट में ज्यादा राशि दी जा सकती है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) को भी ज्यादा राशि दी सकती है लेकिन यह वृद्धि बजट के अनुपात में होगी। वित्त वर्ष 2025 के अंतरिम बजट में मनरेगा को 86,000 करोड़ रुपए आवंटित किए थे, जो पिछले वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान के बराबर थे। उन्होंने कहा कि वृद्धि और रोजगार पर जोर रहेगा। सरकार की स्थिरता पर कोई खतरा नहीं है, इसलिए वह विकास का एजेंडा बढ़ाने पर जोर देगी। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव के घोषणा पत्र में 70 साल से ज्यादा आयु के सभी वरिष्ठजनों को आयुष्मान भारत योजना में लाने का वादा किया था। इस कारण बजट में इस क्षेत्र को 7,000 करोड़ दिए जा सकते हैं लेकिन स्वच्छ भारत मिशन और जल शक्ति मिशन जैसी कई सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं में ज्यादा इजाफा होने की उम्मीद नहीं है।

बाढ़ मुक्त असम का वादा.....डबल इंजन की सरकार का सबसे बड़ा धोखा : राहुल गांधी

गुवाहाटी । (एजेंसी)

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बाढ़ पीड़ितों से मिलने के लिए सोमवार को असम का दौरा किया। बाढ़ से 28 जिलों में लगभग 23 लाख की आबादी प्रभावित है। इस वर्ष बाढ़, भूस्खलन और तूफान में मरने वालों की संख्या 78 थी, जिसमें सिर्फ बाढ़ में 66 लोगों की मौत हुई, जबकि अधिकांश नदियों में जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राहत शिविर का दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात की। इसके बाद राहुल गांधी ने लिखा कि असम में बाढ़ से हुई भीषण तबाही दिल दहला देने वाली है, 8 साल के अविनाश जैसे मासूम बच्चों को हमसे छीन लिया गया। राज्य भर के सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। राहुल गांधी ने दावा किया कि अब तक राज्य में 60 से ज्यादा मौतें हुई हैं, 53,000 हजार से ज्यादा विस्थापित जबकि 24,00,000 प्रभावित हुए है। ये आंकड़े भाजपा की डबल इंजन सरकार के घोर और गंभीर कुप्रबंधन को दिखाता हैं, जो बाढ़ मुक्त असम के वादे के साथ सत्ता में आई थी। राहुल गांधी ने कहा कि असम को अल्पावधि में उचित राहत, पुनर्वास और मुआवजे के लिए एक व्यापक और दयालु दृष्टि की आवश्यकता है। लंबी अवधि में बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए एक अखिल-पूर्वोत्तर जल प्रबंधन प्राधिकरण की आवश्यकता है। मैं असम के लोगों के साथ खड़ा हूं, मैं संसद में उनका सिपाही हूं और मैं केंद्र सरकार से राज्य को शीघ्रता से हर संभव सहायता और समर्थन देने का आग्रह करता हूं। वहीं, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिलों में सभी राहत शिविरों में पूरी व्यवस्था की गई है और स्थिति सामान्य होने तक आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त भंडार रखा गया है। उन्होंने कहा कि बाढ़ राहत शिविरों की सुरक्षा और स्वच्छता सरकार की प्राथमिकता है और उनकी टीम वहां रह रहे लोगों के संपर्क में है। वर्तमान में, 28 जिलों में 3,446 गांवों के लगभग 23 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, जबकि बाढ़ की दूसरी लहर से 68,432.75 हेक्टेयर फसल भूमि जलमग्न हो गई है।

विधानसभा में फ्लोर टेस्ट में पास हुए सीएम हेमंत सोरेन

विपक्ष को नहीं मिला एक भी वोट

रांची। (एजेंसी)

झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान सोमवार को हेमंत सोरेन फ्लोर टेस्ट पास कर गए हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) विधायक दल के नेता हेमंत सोरेन की अगुवाई वाली राज्य सरकार ने आज झारखंड विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर लिया है। उन्हे 45 वोट मिले हैं जबकि विपक्ष के खाते में एक भी वोट नहीं गया है। फ्लोर टेस्ट के बाद झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र अनिश्चितकालीन के लिए स्थगित कर दी गयी है। बता दें, फ्लोर टेस्ट के बाद आज शाम में हेमंत सोरेन कैबिनेट का विस्तार किया जाएगा। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष ने राजनीतिक दलों को समय आवंटित किया। इसके बाद मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सदन में सदन में विश्वास मत प्रस्ताव रखा। विधानसभा अध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष का नाम पुकारा। इस पर नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि पहले जेएमएम को बोलने दिया जाए। ताकि हम उसका काउंटर कर सके। वहीं विधानसभा अध्यक्ष ने सीपी सिंह के खड़ा होने पर आपत्ति जताई। झारखंड विधानसभा में विश्वास मत पेश करने के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि आज विश्वास प्रस्ताव लाया गया है। वहीं सदन में बीजेपी विधायकों के हंगामे पर कहा कि मुझे पुनः देखकर इनका आचरण दिख रहा है। इसकी मुझे चिंता नहीं है। इनके पास कोई सोच नहीं है। इनको जवाब देने के लिए काफी हैं। हेमंत सोरेन ने कहा कि लोकसभा चुनाव में जनता ने इनको चेहरा दिखा दिया है। वहीं सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि चंपाई सोरेन ने निर्भीक होकर सरकार चलाई। नहीं तो बीजेपी के लोग तो ऑपरेशन लोटस चलाते हैं। चंपाई सोरेन ने कहा कि झारखंड प्रदेश गरीब प्रदेश नहीं है। हर किसी ने प्रयास किया यहां की जनता के विकास का लेकिन ये नहीं हो सका। इसके लिए दोनों जिम्मेदार हैं। राजनीतिक लोकतंत्र में पार्टी का निर्णय और गठबंधन के निर्णय के साथ चलना पड़ता है। झारखंड प्रदेश केंद्रीय एजेंसी का प्रयोगशाला बन गया है। कानून रहते ऐसा क्यों हुआ ये विचारणीय विषय है। 5 साल के जनादेश में फिर एक बार आज विश्वास मत प्रस्ताव पेश किया गया है। हमारी मांग है कि सरना धर्म कोड मिले, आदिवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो।वहीं झारखंड में हेमंत सोरेन के विश्वास मत प्रस्ताव पेश करने से पहले नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने हेमंत सोरेन को सदन में एक बार फिर आने पर बधाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि बेहतर होता की सरकार पूरी कैबिनेट के साथ सदन में बैठती। उन्होंने हेमंत सोरेन की ओर इशारा करते हुए कहा कि आपके विधायकों पर कंट्रोल नहीं है। मंत्री पद लालीपॉप की तरह है।

संपादकीय

घातक आरामतलबी

कहने को तो स्वास्थ्य के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ी है और विभिन्न प्रकार के रोगों को लेकर शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में पहले के मुकाबले निवेश भी बढ़ा है, मगर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शोधार्थियों ने अपने हालिया अध्ययन के आधार जो नए तथ्य उजागर किए हैं, वे एक बड़ी चुनौती की ओर इशारा कर रहे हैं, बल्कि एक अलग किस्म की चिंता पैदा करते हैं। द लांसेट में प्रकाशित यह अध्ययन-रिपोर्ट बताती है कि विश्व भर के वयस्कों की एक तिहाई से भी अधिक आबादी या 1.8 अरब वयस्क शारीरिक गतिविधि के अपेक्षित स्तर पर खरे नहीं उतरते, यानी वे पर्याप्त शारीरिक श्रम नहीं कर रहे हैं। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि पिछले बारह वर्षों में वयस्कों में शारीरिक निष्क्रियता की प्रवृत्ति पांच फीसदी बढ़ गई है और यही प्रवृत्ति बनी रही, तो 2030 तक ऐसे वयस्कों की संख्या 31 प्रतिशत से बढ़कर 35 फीसदी हो जाएगी। डब्ल्यूएचओ की साफ सिफारिश है कि वयस्कों को हर हफ्ते 150 मिनट तक मध्यम गति वाली या 75 मिनट तक तेज शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए। ऐसे में, ताजा आंकड़े परेशान करने वाले हैं, क्योंकि शारीरिक निष्क्रियता वयस्कों में हृदय संबंधी रोग के साथ-साथ मधुमेह, डिमेंशिया व कुछ खास तरह के कैंसर का जोखिम बढ़ा देती है। विडंबना यह है कि पश्चिम के विकसित देशों के मुकाबले आरामतलबी या शारीरिक निष्क्रियता की दर एशिया प्रशांत क्षेत्र और दक्षिण एशिया के वयस्कों में बहुत अधिक दर्ज की गई है। पश्चिम के उच्च आय वाले विकसित देशों के वयस्कों में जहां यह निष्क्रियता-दर 28 फीसदी पाई गई, वहीं एशिया प्रशांत क्षेत्र के उच्च आय वाले देशों के वयस्कों में 48 प्रतिशत और दक्षिण एशियाई संपन्न देशों में 45 फीसदी देखी गई है। साफ है, एशियाई सरकारों के लिए खतरे की सूचना है, क्योंकि यह प्रवृत्ति हृदय रोगों और कैंसर की रोकथाम की उनकी कोशिशों को पलीता लगा सकती है। डब्ल्यूएचओ में स्वास्थ्य संवर्द्धन के निदेशक डॉ रुडिगर क्रेच ने उचित ही कहा है कि शारीरिक निष्क्रियता वैश्विक स्वास्थ्य के लिए एक मूक खतरा है, जो पुरानी बीमारियों का बोझ बढ़ाती है। बेहतर आर्थिक स्थिति वाले देशों, खासकर दक्षिण एशियाई मुल्कों के वयस्कों में शारीरिक निष्क्रियता क्यों बढ़ रही है, इसको जानने के लिए किसी नजूमी की जरूरत नहीं है। उम्र के जिस हिस्से में वे हैं, उसमें उनका करियर लगभग तय हो चुका है और उनकी जीवन शैली भी एक खास शक्ल अख्तियार कर चुकी है। यहां के ज्यादातर वयस्क अधिक से अधिक सुविधाओं के अभ्यस्त होते जा रहे हैं। वे स्कूटर से कार और फिर कार के आगे हवाई सफर को जरूरत से ज्यादा अपनी हैसियत से जोड़कर देखते हैं। पैदल चलना या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना उनकी निगाह में पिछड़ेपन की निशानी ही है। इसके बरक्स यूरोप के लोगों की सोच अलग है। मिसाल के तौर पर, चौदह वर्षों तक नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रहे मार्ट रट ने हाल ही में जब अपना इस्तीफा दिया, तो अपने उत्तराधिकारी को सत्ता सौंपकर साइकिल से प्रधानमंत्री दफ्तर से निकल गए। सोलह वर्षों तक जर्मनी की चांसलर रहीं एंजेला मर्केल खुद सब्जियां खरीदते हुए बाजार में दिख जाती हैं। हर सुविधा हाथ में चाहिए, इस सोच को बदलना होगा। खासकर भारत जैसे विशाल आबादी वाले व समृद्ध होते देश के वयस्कों को शारीरिक निष्क्रियता के प्रति सतर्क करने की ज्यादा जरूरत है।

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।

कर्क पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कन्या पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, कर्ज की स्थिति आ सकती है।

मंडराने लगे हैं जल संकट के बादल

(लेखक- तनवीर जाफ़री)

इसी वर्ष मई माह के मध्य में दक्षिण अफ़्रीक़ा से आई इस ख़बर ने पूरे विश्व को हिला कर रख दिया कि राजधानी केपटाउन को विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित किया गया है। 2018 की शुरुआत में ही कैपटाउन के लोगों को इस आशय की चेतावनी दे दी गयी थी। दरअसल यहां तीन वर्षों से लगातार पड़ने वाला सूखा इस ख़तरनाक स्तर तक पहुंच गया था कि फ़रवरी 2018 में ही डे -ज़ीरो के तहत सारे नलों से पानी की आपूर्ति बंद कर दी गई थी । उसी समय हालात ऐसे हो गए थे कि नागरिकों को सप्ताह में केवल दो बार नहाने का आदेश दिया गया था साथ ही शौचालय में फ़्लश के लिए टंकी के पानी का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। आख़िरकार मई 2024 में इसी कैपटाउन को विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित कर दिया गया । अब यहाँ पुलिस व सेना की सुरक्षा में संचालित 200 जल आपूर्ति केंद्रों से केवल 25 लीटर पानी प्रति परिवार को दिया जा रहा है। भीषण जल संकट और इससे उपजी अराजकता के कारण सरकार ने यहां पानी के निजी इस्तेमाल की सीमा 87 से घटाकर 50 लीटर प्रतिदिन कर दी है। अब डे-ज़ीरो के तहत कैपटाउन में 75 फ़ीसदी घरों की पानी सप्लाई काट दी गयी है। यानी 10 लाख से ज़्यादा घरों को पानी मिलना बंद हो चुका है। यहां सिंचाई में भी पानी का उपयोग नाममात्र कर दिया गया है। इसी संकट के बीच समुद्र के पानी को साफ़ करने की कोशिशें भी की जा रही हैं और अब यहां नालों व नालियों के गंदे पानी को भी रिसाइकल किया जाना शुरू हो गया है।

तो क्या पूरा विश्व कैपटाउन जैसे जलसंकट का सामना करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है ? यदि कुछ दिन पहले जारी की गयी संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी पर नज़र डालें तो संयुक्त राष्ट्र ने आगाह कर दिया था कि 2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। और इस संकट की शुरुआत हो चुकी है। कुछ समय पूर्व सिलिकॉन वैली के नाम से मशहूर बेंगलुरु में जल संकट का समाचार मिला। 1 करोड़ 30 लाख आबादी वाले बेंगलुरु में अमीरों ग़रीबों को एक साथ हाथों में बाल्टियां लिये सूखे पड़े नलों व टैंकर्स के पास लम्बी क़तार लगाये देखा गया। यहाँ तक कि सरकारी अस्पतालों में हवा से पानी बनाने की मशीन लगानी पड़ी। परन्तु ऐसा लगता है कि यदि पृथ्वी वासी हम आम जनों ने पानी की बर्बादी करने वाली अपनी दिनचर्या न तो बदली और न ही जलसंरक्षण पर ध्यान न दिया। नतीजतन संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी यह चेतावनी कि 2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा, यह सही साबित होने में अब ज़्यादा वक़्त लगता नज़र नहीं आता। जल संकट मंडराने का दृश्य मैंने अपनी आँखों से पिछले दिनों अपनी सांगला (हिमाचल प्रदेश) की यात्रा के दौरान स्वयं महसूस किया। मैंने केवल बरसात के मौसम में ही नहीं बल्कि पूरे वर्ष पहाड़ों पर तेज़ धार से बहने वाले शीतल जल के अनगिनत झरने / चश्मे बहते देखे हैं। उन झरनों पर लगने वाली भीड़,लोगों को वहां खड़े होकर अपने वाहनों की धुलाई करते,नहाते,कपड़े धोते, मस्ती करते,फ़ोटो सेशन कराते और कहीं कहीं तो फ़िल्में शूट होते भी देखा है। इन्हीं जगहों पर कुछ ग़रीबों को मक्के की छल्ली बेचते,चिप्स,चाय कोल्डड्रिंक्स गोली टॉफ़ी बेचते भी देखा है। परन्तु अत्यंत दुखद है कि गत दो दशकों से झरनों के सूखने का यह सिलसिला आज यहाँ तक आ पहुंचा है कि वही अनगिनत झरने पूरी तरह सूखे पड़े हैं। ऊँची पर्वत श्रंख्लाओं पर इकट्ठी बर्फ़ पिघल चुकी है। ग्लेशियर सूखे पड़े हैं। गोया नदी जल का मुख्य स्रोत समझे जाने वाले अधिकांश पहाड़ी चश्मे सूख चुके हैं। झरना स्थलों पर सन्नाटा पसरा पड़ा है। पहाड़ों की हरियाली ख़त्म होती जा रही है। इसी संकट के परिणामस्वरूप देश की तमाम नदियां सूखती जा रही हैं। मीठे पानी की कमी का दुष्प्रभाव हिमाचल प्रदेश जैसे जल स्रोत वाले प्रमुख राज्य में क्या देखना पड़ा यह मेरी आपबीती से समझ सकते हैं। शिमला के आगे फ़ागू घाटी के एक होटल में रुकने के लिये कमरा बुक करने के समय होटल मालिक ने साफ़ कह दिया कि पानी की कमी है। सुबह को केवल फ़्रेश होने के लिये टंकी से पानी थोड़ी देर के लिये चलेगा परन्तु नहाने धोने के लिये पानी नहीं है। पीने के लिये बोतल का पानी उपलब्ध है। इसके बाद नारकंडा में स्थित एकमात्र सुलभ शौचालय जलरहित थाऔर बदबू फैली हुई थी। रामपुर के निकट कार में तेल डलवाने के बाद जब पम्प कर्मचारी से शौचालय के बारे में पता किया तो वह बोला कि शौचालय तो ज़रूर है परन्तु पानी नहीं है। और इंतेहा तो तब हुई जब सांगला में जहाँ ठहरे थे वहाँ भी पानी का काल पड़ा हुआ था। जबकि सामने कलकल करती बसपा नदी बह रही थी। अपने जीवन के किसी पहाड़ी दौरे में पानी के काल का व्यक्तिगत अनुभव हासिल करने का यह पहला मौक़ा था जिसने भविष्य के संभावित जलसंकट की याद दिलाकर अत्यंत विचलित व चिंतित कर दिया। ग्लोबलवार्मिंग के दुष्प्रभाव के कारण इसका कोई तात्कालिक जादुई समाधान तो नज़र नहीं आता परन्तु प्रत्येक व्यक्ति व सरकारों को इस दिशा में कुछ न कुछ कोशिश तो करनी ही चाहिये। बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिये पूरे विश्व को पूंजीवाद का मोह छोड़ मानवता के प्रति प्रेम दर्शाते हुये प्राकृतिक संतुलन बनाने की दिशा में सख़्त क़ानून बनाकर कड़े क़दम उठाने चाहिये। ग़ौरतलब है कि विकास के नाम पर पूंजीवाद पेड़ों की कटान कर समतल ज़मीन चाहता है जबकि प्रकृति अधिक से अधिक वृक्षारोपण चाहती है। वृक्षारोपण को तो प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का हिस्सा मान लेना चाहिये। हर इंसान को शादी,पार्टी ,मरना,सालगिरह,विवाह वर्षगांठ,बरसी आदि हर ग़म ख़ुशी व त्यौहार के अवसर पर वृक्षारोपण ज़रूर करना चाहिये। इसी तरह पूंजीवाद अधिक से अधिक वाहनों की बिक्री में दिलचस्पी रख प्रदूषण को बढ़ाने में भागीदार होता है जबकि प्रकृति प्रदूषणमुक्त वातावरण चाहती है। इसके अतिरिक्त वर्षा जल को संचित करने के लिये सूखे पड़े तालाबों को गहरा करने व अधिक से अधिक नये नये तालाब खोदने की ज़रुरत है। इससे जल संग्रहण भी होगा और आसपास का भूगर्भीय जलस्तर भी सुधरेगा। नवनिर्मित होने वाले मकानों में बारिश में छतों का पानी संचित करने के लिये एक पाइप ज़मीन में डालने की प्रक्रिया (लैंड रिचार्जिंग सिस्टम) को अनिवार्य किया जाना चाहिये। समय रहते यदि हमने जलसंरक्षण के उपाय नहीं किये तो यक़ीन जानिये वह दिन दूर नहीं जब हम अपने बच्चों को भीषण जलसंकट के वातावरण में छोड़ कर जाने के लिये मजबूर होंगे। क्योंकि जल संकट के बादल भारत सहित पूरे विश्व में मंडराने लगे हैं।

सियासत की नयी सूरत और देश की जरूरत

सड़कों की बदहाली/ पंकज चतुर्वेदी

जब देश के बड़े हिस्से में बरसात की पहली धार पड़ी तो अमृतस्वरूप जल की सबसे पहली मार उन सड़कों पर पड़ी, जिन्हें आधुनिक विकास का पैमाना माना जा रहा था। देश के हर राज्यों में इस दौरान सड़क से गड्ढों को पूरी तरह मिटाने के अभियान चलते हैं जिन पर कई-कई करोड़ खर्च होते हैं लेकिन एक बरसात के बाद ही पुराने गड्ढे नए आकार में सड़क पर बिछे दिखते हैं। राजधानी दिल्ली हो या फिर दूरस्थ गांवों तक, आम आदमी इस बात से सदैव रुष्ट मिलता है कि उसके यहां की सड़क टूटी है, संकरी है, या काम की ही नहीं है। लेकिन समाज कभी नहीं समझता कि सड़कों की दुर्गति करने में उसकी भी भूमिका कम नहीं है। अब देशभर में बाईस लाख करोड़ खर्च कर सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। श्वेत क्रांति व हरित क्रांति के बाद अब देश सड़क-क्रांति की ओर अग्रसर है। इतनी बड़ी राशि खर्च कर तैयार सड़कों का रखरखाव भी महंगा होगा। यह दुर्भाग्य है कि हमारे देश में एक भी सड़क ऐसी नहीं है, जिस पर कानून का राज हो। गोपीनाथ मुंडे, राजेश पायलेट, साहिब सिंह वर्मा जैसे कद्दावर नेताओं को हम सड़क की साधारण लापरवाहियों के कारण गंवा चुके हैं। सीमा से अधिक गति से वाहन चलाना, क्षमता से अधिक वजन लादना, धीमी गति के लिए प्रतिबंधित मार्ग की परवाह नहीं करना, लेन में चालन नहीं करना, सड़क के दोनों तरफ अतिक्रमण व दुकानें- ऐसे कई मसले हैं जिन पर माकूल कानूनों के प्रति बेपरवाही है। यही सड़क की दुर्गति के कारक भी हैं। सड़कों पर इतना खर्च हो रहा है, इसके बावजूद सड़कों को निरापद रखना मुश्किल है। दिल्ली से मेरठ के सोलह सौ करोड़ के एक्सप्रेस-वे का चौथे साल पहली ही बरसात में जगह-जगह धंस जाना व दिल्ली महानगर के उसके हिस्से में जलभराव बानगी है कि सड़कों के निर्माण में नौसिखियों व ताकतवर नेताओं की मौजूदगी कमजोर सड़क की नींव खोद देती है। अयोध्या हो या गुरुग्राम हर जगह नई बनी सड़कों के धंसने पर सरकार का उपहास उड़ रहा है। विडंबना है कि देशभर में सड़क बनाते समय उसके सुपरविजन का काम कभी कोई तकनीकी विशेषज्ञ नहीं करता है। यदि कुछ विरले मामलों को छोड़ दिया जाए तो सड़क बनाते समय डाले जाने वाले बोल्डर, रोड़ी, मुरम की सही मात्रा शायद ही डाली जाती है। शहरों में तो सड़क किनारे वाली मिट्टी उठा कर ही पत्थरों को दबा दिया जाता है। कच्ची सड़क पर वेक्यूम-सकर से पूरी मिट्टी साफ कर ही तारकोल डाला जाना चाहिए, क्योंकि मिट्टी पर गर्म तारकोल वैसे तो चिपक जाता है, लेकिन वजनी वाहन चलने पर वहीं से उधड़ जाता है। इस तरह के वेक्यूम-सकर से कच्ची सड़क की सफाई कहीं भी नहीं होती है। हालांकि इसके बिल जरूर फाइलों में होते हैं। इसी तरह सड़क बनाने से पहले पक्की सड़क के दोनों ओर कच्चे में मजबूत खरंजा तारकोल या सीमेंट को फैलने से रोकता है। इसमें रोड़ी मिल कर खरंजे के दबाव में सांचे सी ढल जाती है। आमतौर पर ऐसे खरंजे कागजों में ही सिमटे होते हैं, कहीं ईंटें बिछाई भी जाती हैं तो उन्हें मुरम या सीमेंट से जोड़ने की जगह महज वहां से खोदी मिट्टी पर टिका दिया जाता है। इससे थोड़ा पानी पड़ने पर ही ईंटें ढीली होकर उखड़ आती हैं। यहां से तारकोल व रोड़ी के फैलाव व फटाव की शुरुआत होती है। सड़क का ढलाव ठीक न होना भी सड़क कटने का बड़ा कारण है। सड़क बीच में से उठी हुई व सिरों पर दबी होनी चाहिए, ताकि उस पर पानी पड़ते ही किनारों की ओर बह जाए। लेकिन शहरी सड़कों का तो कोई लेबल ही नहीं होता है। बारिश का पानी यहां-वहां बेतरतीब जमा होता है और पानी सड़क का सबसे बड़ा दुश्मन है। नालियों का बह कर आया पानी सड़क के किनारों को काटता रहता है। एक बार सड़क कटी तो वहां से गिट्टी, बोल्डर का निकलना रुकता नहीं है । सड़कों की दुर्गति में हमारे देश का उत्सव-धर्मी चरित्र भी कम दोषी नहीं है। महानगरों से लेकर सुदूर गांवों तक घर में शादी हो या राजनीतिक जलसा; सड़क के बीचो-बीच टैंट लगाने में कोई रोक नहीं होती और इसके लिए सड़कों पर चार-छह इंच गोलाई व एक फीट गहराई के कई छेद करे जाते हैं। बाद में इन छेदों में पानी भरता है और सड़क गहरे तक कटती चली जाती है। नल, टेलीफोन, सीवर, पाइप गैस जैसे कामों के लिए सरकारी महकमे भी सड़क को चीरने में कतई दया नहीं दिखाते हैं। सरकारी कानून के मुताबिक इस तरह सड़क को नुकसान पहुंचाने से पहले संबंधित महकमा स्थानीय प्रशासन के पास सड़क की मरम्मत के लिए पैसा जमा करवाता है। नया मकान बनाने या मरम्मत करवाने के लिए सड़क पर ईंटें, रेत व लोहे का भंडार करना भी सड़क की आयु घटाता है। कालेनियों में भी पानी की मुख्य लाइन का पाइप एक तरफ ही होता है, यानी जब दूसरी ओर के बाशिंदे को अपने घर तक पाइप लाना है तो उसे सड़क को खोदना ही होगा। एक बार खुदी सड़क की मरम्मत लगभग नामुमकिन होती है। सड़क पर घटिया वाहनों का संचालन भी उसका बड़ा दुश्मन है। यह दुनिया में शायद भारत में ही देखने को मिलेगा कि सरकारी बसें हों या फिर डग्गामारी करती जीपें, निर्धारित से दुगनी तक सवारी भरने पर रोक के कानून महज पैसा कमाने का जरिया मात्र होते हैं। ओवरलोड वाहन, खराब टायर, दोयम दर्जे का ईंधन ये सभी बातें भी सरकार के चिकनी रोड के सपने के साकार होने में बाधाएं हैं। सवाल यह खड़ा होता है कि सड़क-संस्कार सिखाएगा कौन? ये संस्कार सड़क निर्माण में लगे महकमों को भी सीखने होंगे और उसकी योजना बनाने वाले इंजीनियरों को भी।

संस्कार से सज्जित होने की जरूरत सड़क पर चलने वालों को भी है और यातायात व्यवस्था को ठीक तरह से चलाने के जिम्मेदार लोगों को भी। वैसे तो यह समाज व सरकार दोनों की साझा जिम्मेदारी है कि सड़क को साफ, सुंदर और सपाट रखा जाए। लेकिन हालात देख कर लगता है कि कड़े कानूनों के बगैर यह संस्कार आने से रहे।

विचार मंथन

सरकारी और निजी अस्पतालों में गरीबों और मध्यम वर्गीय परिवारों को इलाज नहीं मिल पा रहा

(लेखक- सनत जैन)

केंद्र सरकार आयुष्मान भारत का बीमा कवर 10 लाख रुपए करने की तैयारी कर रही है। आयुष्मान योजना में लाभार्थियों की संख्या दोगुनी करने की बात कर रही है। आयुष्मान योजना में बड़ी-बड़ी बीमारियों और बड़े ऑपरेशन को शामिल किया जाता है। सरकार ने सरकारी अस्पतालों को भी आयुष्मान भारत योजना से जोड़कर गरीब और मध्यम वर्गीय आम आदमी के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को उसकी पहुंच से दूर करने का काम किया है। आयुष्मान भारत योजना के कारण सरकारी और निजी अस्पतालों में गरीबों और मध्यम वर्गीय परिवारों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। जो दवाइयां और जांच सरकारी अस्पतालों में मिलनी चाहिए थी। जो डॉक्टर सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए मिलना चाहिए था। वह अब संभव नहीं हो पा रहा है। गंभीर बीमारियों के इलाज के मामले में जिनमें लाखों रुपए का खर्च आता है, उन्हीं बीमारियों का इलाज आयुष्मान योजना में कवर है। पूरे जीवन में एक या दो बार कभी इस तरह की बीमारियों से आम आदमियों को सामना करना पड़ता है। समय-समय पर होने वाले सर्दी, जुकाम, बुखार और अन्य बीमारियां जिनका उपचार दवाइयों के माध्यम से होता है, आयुष्मान योजना में वह उपलब्ध नहीं होती हैं। सरकारी अस्पतालों में दवाइयां उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। खुले बाजार से महंगी कीमत पर यह दवाइयां आम गरीबों को खरीदना पड़ रही हैं। जब से आयुष्मान योजना लागू हुई है उसके बाद पिछले एक दशक में दवाइयों की कीमत बाजार में 10 गुना से ज्यादा बढ़ गई है। डॉक्टरों की फीस 200 रूपये से लेकर 700 रुपए तक छोटे शहरों में मरीजों को चुकानी पड़ रही है। मरीजों को महंगी दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं। लाइन में लगने के बाद यदि डॉक्टर उपलब्ध हो गए, तो सरकारी अस्पतालों में दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं। गरीब और मध्यम वर्ग को सरकार ने आयुष्मान योजना का झुनझुना पकड़ा कर पल्ला झाड़ लिया है। स्वास्थ्य सेवाओं में लूट का एक नया दौर शुरू हुआ है। आयुष्मान भारत योजना बीमा आधारित योजना है। बीमा कंपनियां इस योजना में बड़ी-बड़ी बीमारियों को शामिल करती हैं। निजी अस्पतालों में तरह-तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। निजी अस्पताल धोखाधड़ी भी कर रहे हैं। निजी एवं सरकारी अस्पतालों में गरीबों को उपचार नहीं मिल पा रहा है। सामान्य बीमारियों में उपचार की जरूरत समय-समय पर पडती हैं। वह आयुष्मान योजना से कवर नहीं होती है। जिसके कारण निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के ऊपर स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। आयुष्मान भारत बीमा योजना में सरकार 5 लाख और 10 लाख रुपए तक खर्च करने की बात जरूर करती है, लेकिन सामान्य बीमारियों का इलाज इस बीमा योजना से क्यों नहीं होता है? कुछ वर्षों पहले तक जो ऑपरेशन और इलाज 10000 से लेकर 50000 रूपये के खर्चे में आसानी से हो जाते थे, अब वही इलाज और ऑपरेशन का खर्च लाखों रुपया क्यों हो गया है। इसका पता भी सरकार को करना चाहिए। दवाइयों की कीमतें इतनी तेजी के साथ क्यों बढ़ी हैं। इसके लिए कौन जिम्मेदार है। जब परिवार का कोई सदस्य सामान्य बीमारी का शिकार होता है तो डॉक्टरों की फीस और दवाइयों में हजारों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। डॉक्टर जो जांच कराते हैं। उनके लिए भी हजारों रुपए खर्च हो जाते हैं। सामान्य बीमारियां और उनकी जांच बीमा में कवर नहीं होती है। आयुष्मान योजना में इसका लाभ गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को नहीं मिल पा रहा है। जिसके कारण लोगों में अब गुस्सा देखने को मिलने लगा है। आयुष्मान योजना लागू होने के पहले सरकारी अस्पतालों में जो व्यवस्थाएं थीं उसमें गरीबों को डॉक्टर दवाइयां और इलाज उपलब्ध कराई जा रही थी। सरकारी अस्पतालों में जांच का जिम्मा सरकार उठाती थी। अब यह सारी स्थितियां सरकारी अस्पतालों में खत्म होती जा रही हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेज भी आयुष्मान योजना से जोड़ दिए गए हैं। जिला अस्पताल भी आयुष्मान योजना से जोड़ दिए गए हैं। जिसके कारण सरकारी अस्पतालों में आमजनों को अब इलाज नहीं मिल पा रहा है। लोगों को बाजार से महंगी दवाई खरीदनी पड़ रही है। जो दवाई 10 साल पहले एक रुपए की बाजार में उपलब्ध थी। आज वही दवाई बाजार में 10 रूपये से ज्यादा कीमत पर मिल रही है। सरकार ने यह मान लिया है, आम लोगों को सामान्य बीमारियां नहीं होती हैं। सामान्य बीमारियों के लिए उसे बाजार के भरोसे छोड़ दिया गया है। दवा कंपनियों की लूट मची हुई है। बड़े-बड़े ऑपरेशन और गंभीर बीमारियों का इलाज ही आयुष्मान योजना में हो पा रहा है। होना तो यह चाहिए कि अस्पताल की कोई भी स्वास्थ्य सेवाएं हों, आयुष्मान कार्डधारी को जांच से लेकर दवाइयां और ऑपरेशन इत्यादि निःशुल्क मिलने की जिम्मेदारी आयुष्मान योजना में होनी चाहिए, जो नहीं है। बीमा की राशि 5 लाख हो या 10 लाख हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। कोई भी आदमी बीमार नहीं होना चाहता है। मौसम में बदलाव, खाने-पीने के कारण एवं अन्य कारणों से समय-समय पर बीमारियों का सामना लोगों को करना पड़ता है। उस समय बीमा योजना उनकी कोई मदद नहीं करती है। उल्टा बीमार व्यक्ति के परिवारजन को अपनी बचत का पैसा या कर्ज लेकर इलाज कराना पड़ता है।

वेलस्पन वन ने जुटाए 2,275 करोड़

नई दिल्ली । वेलस्पन वन ने अपने दूसरे वित्त पोषण चक्र में निवेशकों से 2,275 करोड़ रुपये जुटाए है। एकीकृत फंड एवं विकास प्रबंधन मंच वेलस्पन वन ने सोमवार को सह-निवेश प्रतिबद्धताओं सहित 2,275 करोड़ रुपये के अपने दूसरे वित्त पोषण चक्र के सफलतापूर्वक पूरा होने की घोषणा की। इस रो शि का उपयोग गोदाम के निर्माण के लिए किया जाएगा। यह रो शि करीब 800 सीमित साझेदारों (एलपी) या निवेशकों के विविध समूह से हासिल की गई। कंपनी के अनुसार इससे वेलस्पन वन के मौजूदा एक करोड़ वर्ग फुट खंड में 80 लाख वर्ग फुट का इजाफा होगा, जिससे उनका कुल खंड लगभग 1.8 करोड़ वर्ग फुट हो जाएगा। कुल परियोजना व्यय करीब एक अरब अमेरिकी डॉलर होगा। वेलस्पन वर्ल्ड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता भारत के लॉजिस्टिक्स लागत को 14 प्रतिशत से घटाकर आठ प्रतिशत करने के रणनीतिक उद्देश्य के साथ पूरी तरह से संरेखित है, जिससे हमारे उद्योगों की वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी।

पीएफ अकाउंट में 23 जुलाई के बाद आएगा ब्याज का पैसा!

नई दिल्ली । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की तरफ से फरवरी 2024 में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्रॉविडेंट फंड पर लगने वाली ब्याज दर को बढ़ाने की घोषणा की गई थी। ईपीएफओ ने पिछले साल की 8.15 फीसदी की ब्याज दर को 2023-24 के लिए बढ़ाकर 8.25 फीसदी कर दिया है, लेकिन अभी तक सरकार की ओर से वित्त वर्ष 2023-24 का ब्याज नहीं दिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सरकार की तरफ से ईपीएफ पर मिलने वाला ब्याज बजट 23 जुलाई के बाद ट्रांसफर किया जा सकता है। बता दें कि कुछ दिनों पहले ईपीएफ के सदस्यों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्याज लेकर सवाल पूछा गया था, जिसपर ईपीएफओ ने कहा था कि ब्याज जमा करने की प्रक्रिया जारी है। बहुत जल्द खाताधारकों के अकाउंट में ब्याज जमा किया जाएगा। वित्त वर्ष पीआईबी के मुताबिक ईपीएफ बोर्ड ने सदस्यों के खातों में पिछले साल 1.07 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड राशि बांटने की सिफारिश की थी।

यूजर्स के डायरेक्ट मैसेज को मैन्युअल रिव्यू कर रहा एक्स

नई दिल्ली । एक्स अपनी सेवाओं के कथित उल्लंघनों और दुरुपयोग की जांच करने या कानूनों या सरकारी अनुरोधों का अनुपालन करने के लिए कुछ यूजर्स के डीएम (डायरेक्ट मैसेज) को मैन्युअल रूप से रिव्यू कर रहा है। किम डॉटकॉम नाम से एक एक्स यूजर ने सोमवार को इस पॉलिसी अपडेट को पोस्ट किया, जिसका एलन मस्क स्पष्ट जवाब नहीं दे पाए, जो कि प्लेटफार्म पर कंटेंट को एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन प्रदान करने की पॉलिसी के खिलाफ है। मस्क ने कहा` कि यह वर्तमान में अजीब तरीके से काम करता है। हम इसके उपयोग को आसान बनाने और ग्रुप मैसेज पर भी लागू करने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक्स ऑडियो और वीडियो कॉल ऑटोमैटिक रूप से एन्क्रिप्ट किए जाते हैं। कई यूजर्स ने एक्स द्वारा डीएम की मैन्युअल रूप से रिव्यू करने पर चिंता जाहिर की। एक एक्स यूजर ने पोस्ट किया, क्या यह मेरी गलती है या एलन, किम के सवाल को समझ नहीं पाए?

वित्त मंत्री सीतारमण 23 जुलाई को बजट पेश करेंगी

- यह बजट 2047 तक विकसित भारत का रास्ता तैयार करेगा

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को अपना सातवां बजट पेश करेंगी। यह नरेन्द्र मोदी 3.0 सरकार का पहला पूर्ण बजट होगा। यह बजट 2047 तक विकसित भारत का रास्ता तैयार करेगा। पिछले महीने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा था कि आगामी बजट सत्र में कई ऐतिहासिक कदम और बड़े आर्थिक फैसले लिए जाएंगे। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद संसद की संयुक्त बैठक को अपने पहले संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा था कि यह बजट सरकार की दूरगामी नीतियों और भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण का एक प्रभावी दस्तावेज होगा। इस बजट में बड़े आर्थिक और सामाजिक फैसलों के साथ-साथ कई ऐतिहासिक कदम भी देखने को मिलेंगे। वित्त मंत्रालय ने कहा कि आम बजट 2024-25 के लिए बजट पूर्व परामर्श 19 जून से शुरू हुआ और पांच जुलाई, 2024 को समाप्त हुआ। विचार-विमर्श के दौरान 10 हितधारक समूहों के 120 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इनमें किसान संघों और कृषि अर्थशास्त्रियों के अलावा व्यापारिक संगठनों, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र, रोजगार और कौशल, सूक्ष्म लघु एवं मझोले उद्योग (एमएसएमई), व्यापार और सेवाएं, उद्योग, वित्तीय क्षेत्र और पूंजी बाजार और बुनियादी ढांचा, ऊर्जा और शहरी क्षेत्र के विशेषज्ञ और प्रतिनिधि शामिल थे। वित्त मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित इन बैठकों में वित्तराज्य मंत्री पंकज

चौधरी, वित्त सचिव और व्यय सचिव टीवी सोमनाथन, आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ, निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) सचिव तुहिन के पांडेय, वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी और राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा सहित अन्य ने भाग लिया।

कच्चा तेल 87 डॉलर, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव 87 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 83 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। वैश्विक बाजार में हफ्ते के पहले दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.15 डॉलर की गिरावट के साथ 86.39 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.30 डॉलर फिसलकर 82.86 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं कोलकाता में पेट्रोल का भाव 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

मोबाइल रिचार्ज के प्लान हुए मंहगे....सरकार ने कहा हमारा कोई रोल नहीं

नई दिल्ली । 3 जुलाई 2024, से देश में प्राइवेट टेलीकॉम ऑपरेटर्स ने मोबाइल रिचार्ज प्लान की कीमतें बढ़ा दी हैं। फैसले के बाद जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया के मोबाइल रिचार्ज प्लान करीब 20 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। सभी टेलीकॉम कंपनियों की ओर से अचानक लिए गए फैसले से स्मार्टफोन यूजर्स खासा नाराज हैं। हालांकि, कंपनियों ने अपने ग्राहकों को पहले ही इस बारे में जानकारी देने के साथ उन्हें एडवांस रिजार्ज का ऑप्शन दिया था। मोदी सरकार को लेकर दावा किया जा रहा था कि भारत सरकार ने जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडियो को बिना किसी विनियमन के टैरिफ हाइक की परमिशन दी। इसके बाद मोबाइल टैरिफ हाइक को लेकर मोदी सरकार की ओर से स्थिति साफ की गई है। नियामक संस्था ने कहा कि तीन निजी क्षेत्र की कंपनियों और एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के साथ मोबाइल सर्विस मार्केट डिमांड और सप्लाई के मार्केट फोर्स के साथ चलता है। टेलीकम्युनिकेशन सर्विस के रेट्स मार्केट फोर्स के साथ तय होते हैं। यह रेट्स स्वतंत्र नियामक यानी भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित नियामक ढांचे के भीतर तय होते हैं। भारत सरकार का कहना है कि वह फ्री मार्केट के फैसलों को लेकर कोई हस्तक्षेप नहीं करती है क्योंकि यह कार्यक्षमता ट्राई के अधिकार क्षेत्र में है। मोदी सरकार का कहना है कि मोबाइल सर्विस के टैरिफ को लेकर होने वाले किसी भी बदलाव को लेकर टेलीकॉम ऑपरेट ट्राई को पहले ही जानकारी दे देते हैं।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई और दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 36.22 अंक नीचे आकर की 79,960.38 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 3 अंक फिसलकर 24,321 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टाइटन के शेयर सबसे ज्यादा 3.54 फीसदी गिरे। वहीं इसके अलावा पोट्र्स, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू, स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टीसीएस, एचडीएफ़सी बैंक के शेयर भी टूटे। वहीं दूसरी ओर आईटीसी का शेयर आज 2.27 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। साथ ही हिन्दुतान युनीलवर, नेस्ले इंडिया, एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, इन्फोसिस के शेयर भी लाभ में रहे। आज बाजार में आई गिरावट का कारण निवेशकों की मुनाफावसूली रही। इसके अलावा एशिया के अन्य बाजारों में गिरावट से भी घरेलू बाजार पर दबाव आया।

एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की,

चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आये जबकि यूरोप के प्रमुख बाजारों में कारोबार में तेजी रही जबकि शुक्रवार को अमेरिकी बाजार लाभ में रहे थे।

इससे पहले आज सुबह

बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स करीब 200 अंकों की गिरावट के साथ 79,915 पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 मामूली बढ़त के साथ 24,329.45 के लेवल पर खुला। हालांकि कुछ ही देर में इसमें भी गिरावट आ गई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में काफी हलचल देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स में आज सबसे ज्यादा बढ़त के साथ खुलने वाले शेयरों में शीर्ष पर टाटा मोटर्स के शेयर रहे। टाटा ग्रुप की ऑटो कंपनी के शेयर 1 फीसदी से ज्यादा की उछाल के साथ खुले। इसके अलावा, टॉप गेनर्स की लिस्ट में हिंदुस्तान यूनिलिवर, एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक, लॉर्सन एंड टुब्रो, टेक महिंद्रा के शेयर रहे।

दिल्ली और मुंबई में पांच साल में 49 फीसदी महंगे हुए घर

नई दिल्ली ।

नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) और मुंबई में बीते पांच सालों में घरों की कीमतों में भारी उछाल देखा गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीते पांच सालों में नेशनल कैपिटल रीजन में औसत आवासीय घरों की कीमतों में 49 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस दौरान घरों की कीमत 4,565 रुपये प्रति वर्ग फीट से बढ़कर 6,800 रुपये प्रति वर्ग फीट हो गई है। वहीं मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में बीते पांच साल में घरों कीमतों में 48 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। साल 2019 की पहली छमाही में 10,610 रुपये प्रति वर्ग फुट से 2024 की पहली छमाही में 15,650 रुपये प्रति वर्ग फुट तक हो गई है। एनारॉक ग्रुप के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कोरोना महामारी नेशनल कैपिटल रीजन के लिए एक आशीर्वाद थी। एनसीआर ने पिछले पांच साल में अपने अनसोल्ड स्टॉक में 52 प्रतिशत से ज्यादा की कमजोरी दर्ज की है। साल 2019 में एनसीआर का अनसोल्ड स्टॉक लगभग 1.82 लाख यूनिट्स था, जो 2024 में घटकर 86,900 यूनिट्स तक पहुंच गया है। राजधानी दिल्ली और उससे सटे इलाके और मुंबई में आवासीय घरों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के कारण की बात करें तो, इसमें निर्माण लागत में बढ़ोतरी और अच्छी ब्रिकी है। डीएलएफ

लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कोविड-19 महामारी इन दो आवासीय बाज़ारों के लिए वरदान साबित हुई, जिससे मांग नए स्तर पर पहुंच गई। शुरुआत में डेवलपर्स ने ऑफ़र और फ्री चीजों के साथ बिक्री को बढ़ावा दिया लेकिन मांग बढ़ने के साथ उन्होंने धीरे-धीरे औसत कीमतों में इजाफा कर दिया।

एचडीएफसी बैंक की 13 जुलाई को कई सेवाएं होंगी प्रभावित

नई दिल्ली।

अगले सप्ताह एचडीएफसी बैंक 13 जुलाई को एक सिस्टम अपग्रेड करेगा। इस दौरान बैंक की कई सेवाएं लगभग 14 घंटों के लिए आंशिक या पूरी तरह से उपलब्ध नहीं रहेगी। बैंक देश भर में 9.3 करोड़ व्यक्तियों और व्यवसायों के अपने बड़े ग्राहक आधार के लिए ग्राहक अनुभव को बढ़ाने के लिए अपने कोर बैंकिंग सिस्टम को एक नए इंजीनियर प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट कर रहा है। एचडीएफसी बैंक ने एक बयान में कहा कि इस माइग्रेशन का उद्देश्य प्रदर्शन की गति में सुधार करना, हाई ट्रैफिक वॉल्यूम को प्रबंधित करने की क्षमता बढ़ाना और विश्वसनीयता तथा स्केलेबिलिटी को बढ़ाना है। बैंक ने कहा कि साढ़े 13 घंटे की इस अवधि के दौरान ग्राहकों को कुछ सेवाओं तक सीमित पहुंच मिलेगी। एचडीएफसी बैंक ने अपने सिस्टम को अपग्रेड करने के लिए आने वाले सप्ताह में शनिवार 13 जुलाई को चुना है। शनिवार की सुबह 3:00 बजे से बैंक सिस्टम अप्रग्रेड की प्रक्रिया को शुरू करेगा और शनिवार को ही शाम 4:30 बजे इसके पूरा होने की उम्मीद है।

एलआईसी ने आरआईएल, टाटा और अदाणी ग्रुप व अन्य कंपनियों में घटाई हिस्सेदारी

इस साल मार्च तक मुकेश अंबानी की कंपनियों में एलआईसी का निवेश सबसे ज्यादा

नई दिल्ली।

सरकारी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्तीय वर्ष 2024 में सभी प्रमुख समूहों में अपनी हिस्सेदारी घटाकर शेयर बाजार में तेजी का भरपूर फायदा उठाया है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक हिस्सेदारी कम करने के बावजूद सभी समूहों में इसकी बची हुई हिस्सेदारी का मूल्य काफी हद तक बढ़ गया है। इस साल मार्च तक के शेयरहोल्डिंग डेटा के मुताबिक मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली कंपनियों में एलआईसी का निवेश सबसे ज्यादा है, इसके बाद टाटा और अदाणी ग्रुप की कंपनियां का नंबर आता हैं। पिछले सप्ताह बाजार बंद होने तक शीर्ष समूहों में एलआईसी का निवेश 37.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4.39 लाख करोड़ रुपये है। मुकेश अंबानी ग्रुप की कंपनियों में एलआईसी के निवेश का मूल्य सबसे ज्यादा 1.5 लाख करोड़ रुपये था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 34.2 प्रतिशत अधिक है। एलआईसी ने रिलायंस ग्रुप की कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी 6.37 प्रतिशत से घटाकर 6.19 प्रतिशत कर दी। एलआईसी ने इस साल मार्च तक टाटा समूह की कंपनियों में भी अपनी हिस्सेदारी घटाकर 4.05 प्रतिशत कर दी, लेकिन इसका मूल्य बढ़कर 1.29 लाख करोड़ रुपये हो गया। जून तिमाही का शेयरहोल्डिंग डेटा अभी उपलब्ध नहीं है। एलआईसी ने अदाणी ग्रुप की कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी 4.27 प्रतिशत से घटाकर 3.76 प्रतिशत कर दी है। इसकी हिस्सेदारी का मूल्य शुक्रवार तक 49.2 प्रतिशत बढ़कर 64,414 करोड़ रुपये हो गया। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि शेयर बाजारों में तेजी के साथ सरकार को एलआईसी में अपनी 96.5 प्रतिशत हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचने पर विचार करना चाहिए ताकि प्राप्त राशि का उपयोग विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा बनाने में किया जा सके।

स्टार्टअप बंद होने का सिलसिला इस साल कम हुआ, मगर जो खिम टला नहीं

नया खतरा बनती दिखाई दे रही है जॉम्बी स्टार्टअप

नई दिल्ली ।

स्टार्टअप बंद होने का सिलसिला इस साल 99.8 फीसदी कम हो गया है। निवेशकों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में स्टार्टअप बंद होने का सिलसिला सफाई करने के लिए जरूरी था और फर्मों के संस्थापक अब अपने कामकाज का गणित सुधारने में लग गए हैं। मगर स्टार्टअप की दुनिया अभी संकट से पूरी तरह बाहर नहीं निकली है क्योंकि जॉम्बी स्टार्टअप नया खतरा बन रही हैं। जॉम्बी स्टार्टअप वह होती है, जिसे चलाने के लिए पैसा बहुत लगता है मगर आमदनी बेहद कम होती है।

एक प्रमुख निवेशक ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि संस्थापकों को तय करना होगा कि उनका कारोबारी मॉडल पहले दिन से ही कारगर हो।

दूसरे के कारोबारी मॉडल की नकल करके बनाई गई कू जैसी कंपनियों के पास कुछ अलग नहीं है और ऐसी कंपनियां भारत जैसे बाजार में नहीं टिक सकतीं। कू के अलावा निकी, जिपगो, फ्रंटरो और ग्रामफैक्टरी जैसी स्टार्टअप भी पिछले साल बंद हो गईं। एक मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 में वृहद आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर करीब 5,868 स्टार्टअप पर ताला लग गया था। मगर 2023 में ठप होने वाली कंपनियों की संख्या घटकर 1,720 रह गई और 2024 में अभी तक महज 4 कंपनियों को अपना कारोबार समेटना पड़ा है।

निवेशकों के अनुसार स्टार्टअप को पूंजी मिलने में दिक्कत देखकर संस्थापकों ने खर्च कम करने के उपाय किए, जिससे कई फर्में कारोबार बंद करने से बच गईं। मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म के अनुसार 2022 से लगातार चार साल तक स्टार्टअप कंपनियों के लिए पूंजी जुटाना मुश्किल रहा मगर अब उन्हें एक बार फिर पूंजी मिलने लगी है।

2024 की पहली छमाही में स्टार्टअप को मिलने वाली रकम अब भी 2023 की पहली छमाही से 13 फीसदी कम है मगर स्टार्टअप फर्मों ने इस दौरान 4.1 अरब डॉलर निवेश जुटाया है, जो 2023 की दूसरी छमाही के 3.96 अरब डॉलर से 4 फीसदी अधिक है। इस बीच स्टार्टअप में छंटनी भी पिछले साल की तुलना में 62 फीसदी घट गई है। 2024 के पहले 5 महीनों में 3,600 कर्मचारियों की ही नौकरी गईं, जबकि पिछले साल इस अवधि में 9,596 लोगों को नौकरियां गंवानी पड़ी थी।

सीएमएफ फोन 1 अगले महीने होगा लॉन्च

-लॉन्च से पहले लीक हुई कीमत

नई दिल्ली ।

स्मार्टफोन का निर्माण करने वाली कंपनी नथिंग का सब ब्रांड सीएमएफ जल्द ही अपना पहला स्मार्टफोन लॉन्च करने वाला है। हैंडसेट सीएमएफ फोन 1 अगले महीने की शुरुआत में लॉन्च हो सकता है। इसकी जानकारी माइक्रोसाइट फलीपकार्ट पर लाइव हो चुकी है। कंपनी की माइक्रोसाइट से साफ है कि ये स्मार्टफोन सुपर अमोलेड डिस्प्ले के साथ आएगा। इसके अलावा फोन की कुछ जानकारी लीक रिपोट्र्स भी सामने आई है। एक टिप्स्टर ने इसकी कुछ डिटेल्स शेयर की हैं। भारत में ये फोन 8 जुलाई को लॉन्च हो रहा है। टिप्स्टर योगेश बरार के मुताबिक, सीएमएफ फोन 1 में 6.7-इंच का एस अमोलेड एलटीपीएस डिस्प्ले मिल सकता है, जो 120 एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट के साथ आएगा। इस फोन की पीक ब्राइटनेस 2000 नीटस की होगी। इसमें इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर दिया जा सकता है। ऑप्टिक्स की बात करें, तो फोन में 16एमपी का सेल्फी कैमरा मिल सकता है, जो सेंटर पंच होल कटआउट में फिट होगा। इसके अलावा स्मार्टफोन में 50एमपी के मेन लेंस वाला कैमरा मिल सकता है। फोन में एक डेप्थ

सेंसर भी होगा। स्मार्टफोन में एआई वीवीड मोड दिया जा सकता है। कंपनी इसे दो साल का सॉफ्टवेयर अपडेट ऑफर कर सकती है। फोन को पावर देने के लिए 5000 एमएएच की बैटरी और 33वॉट की फास्ट चार्जिंग दी जाएगी। इसके अलावा ये हैंडसेट आईपी52 रेटिंग के साथ लॉन्च होगा। कुछ रिपोट्र्स में दावा किया जा रहा है कि ये नथिंग फोन 2ए का रिब्रांडेड वर्जन हो सकता है।हैंडसेट मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 प्रोसेसर के साथ लॉन्च हो सकता है। इसमें 6जीबी और 8जीबी रैम के साथ 128जीबी स्टोरेज दिया जा सकता है। स्टोरेज को माइक्रो एसडी कार्ड की मदद से एक्सपैंड करने का ऑप्शन मिलेगा। फोन एंड्राएड 14 के साथ लॉन्च हो सकता है।

सोना गिरकर 73 हजार, चांदी भी 93,250 रुपए

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,950 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 93,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै श्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट आज 13 रुपये की गिरावट के साथ 73,038 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 86 रुपये की गिरावट के साथ 72,965 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 259 रुपये की गिरावट के साथ 93,295 रुपये पर खुला। इस समय यह 284 रुपये की गिरावट के साथ 93,270 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने- चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 2,396.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,397.70 डॉलर प्रति औंस था। फिलहाल यह 6.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,391.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.47 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.68 डॉलर था। फिलहाल यह 0.33 डॉलर की गिरावट के साथ 30.35 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत को करनी होगी बेहतर गेंदबाजी

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में मंगलवार को यहां आखिरी मैच में जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान में उतरेगी तक उसके सामने जीत दर्ज कर इसे 1-1 से बराबर करने की चुनौती होगी। इसके लिए हालांकि भारतीय गेंदबाजों को अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा उठाना होगा जिसके खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ने पहले मैच में नौ विकेट पर 189 रन बनाकर 12 रन से जीत दर्ज की।

दूसरे मैच में बारिश के कारण भारत को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन गेंदबाजों ने इस मुकाबले में भी छह विकेट पर 177 रन लुटाए थे। तीसरे टी20 में पर भी खराब मौसम का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि मंगलवार को भी बारिश की 30 से 40 प्रतिशत संभावना है। दोनों मैचों में दो-दो विकेट लेने वाली पूजा वस्त्राकर और स्पिनर दीप्ति शर्मा को छोड़कर, अधिकांश भारतीय गेंदबाज प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे है।

रेणुका सिंह के पहले मैच में असरहीन रहने के बाद दूसरे मुकाबले में सजीवन सजना को मौका मिला लेकिन इससे भी टीम को कोई फायदा नहीं हुआ। श्रेयंका पाटिल और राधा यादव ने रविवार को एक-एक विकेट लिया लेकिन यह दोनों गेंदबाज भी रन रोकने में नाकाम रहे। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चाहेंगी कि श्रृंखला दांव पर होने के कारण उनके गेंदबाज कड़ी मेहनत करें।

बल्लेबाजी के मोर्चे पर पहले मैच में भारतीयों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। जेमिमा रोड्रिग्स (नाबाद 53), स्मृति मंधाना (46), हरमनप्रीत (35), शेफाली वर्मा (18) और दयालन हेमलता (14) ने बल्ले से अच्छा योगदान दिया। टी20 में रविवार को पदार्पण करने वाली विकेटकीपर उमा छेत्री के टीम में बने रहने की संभावना है। टीम प्रबंधन बल्ले से उनके योगदान को देखना चाहेगा।

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के लिए तजमिन ब्रिट्स ने लगातार दो अर्धशतक लगाकर शानदार लय में होने का सबूत दिया है। ब्रिट्स के अलावा, कप्तान लौरा वोल्वार्ट, मारिजान कप्प और एनेके बॉश ने भी तेजी से रन बनाये है।

दक्षिण अफ्रीका की एकमात्र चिंता चोट से वापसी करने वाली बल्लेबाज क्लो ट्रायोन हैं। वह दोनों मैचों में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही है। बांग्लादेश में आगामी टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए, ट्रायोन खुद को साबित करने के लिए बेताब होगी।

टीम

भारत महिला = हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), उमा छेत्री (विकेट कीपर), ऋचा घोष (विकेट कीपर), दयालन हेमलता, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, सजीवन सजाना, दीप्ति शर्मा, आशा शोभना, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, शबनम शकील, पूजा वस्त्रकार और राधा यादव।

दक्षिण अफ्रीका महिला = लौरा वोल्वार्ट (कप्तान), तजमिन ब्रिट्स, मीके डी रिडर (विकेट कीपर), सिनालो जाफ्ता (विकेट कीपर), एनेके बॉश, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसेन, मारिजान कप्प, सुने लुस, क्लो ट्रायोन, अयाबोंगा खाका, मसाबाटा क्लास, एलिज़-मारी मार्क्स, नॉनकुलुलेको म्लाबा और तुमी सेखुखुने।

जेसविन, अंकिता को विश्व रैंकिंग के जरिए भारतीय एथलेटिक्स टीम में मिली जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेसविन एल्ड्रिन (पुरुषों की लंबी कूद) और महिला वर्ग में अंकिता ध्यानी (पांच हजार मीटर दौड़) में विश्व रैंकिंग में जगह बनाने के बाद भारत की पेरिस ओलंपिक की एथलेटिक्स टीम में शामिल किया गया है।

दोनों एथलीटों के टीम में शामिल होने के साथ ही पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीमें सदस्यों की संख्या अब 30 हो गई हैं। विश्व एथलेटिक्स ने आधिकारिक तौर पर जेसविन एल्ड्रिन और अंकितना ध्यान के भारतीय टीम में शामिल होने की पुष्टि की है। लंबी कूद के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक एल्ड्रिन पुरुषों की लंबी कूद में 31वें स्थान पर हैं। उन्हें शीर्ष 32 एथलीटों में शामिल होने के कारण पेरिस में जगह बनाई है।

वहीं अंकिता महिलाओं की पांच हजार मीटर में 42वें स्थान पर हैं, जो कि उस स्पर्धा में कटऑफ रैंक है। अंकिता आगामी ग्रीष्मकालीन खेलों में इसी स्पर्धा में 29वें स्थान पर रहीं और हमवतन पारुल चौधरी पांच हजार मीटर की राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक के साथ जुड़ेंगी। अंकिता ध्यानी का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 15:28.08 है जो उन्होंने इस साल की शुरुआत में कैलिफोर्निया में ट्रैक फेस्ट में हासिल किया था। उन्होंने पिछले महीने इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 16:10.31 के समय के साथ स्वर्ण पदक भी जीता।

अभिषेक सबसे तेज शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने

-केएल राहुल की बराबरी पर आये

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे दौरे पर गयी भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दूसरे टी20 मुकाबले में 46 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। इसी के साथ ही अभिषेक ने भारतीय क्रिकेट इतिहास में संयुक्त रुप से तीसरा सबसे तेज शतक लगाया है। अभिषेक ने 7 चौके और 7 छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया। वह शतक पूरा करने के बाद मस्कादजा की गेंद पर आउट हुए। भारतीय टीम की जीत में अभिषेक के शतक की अहम भूमिका रही। भारत की ओर से टी20 में सबसे तेज शतक रोहित शर्मा ने साल 2017 में 35 गेंदों पर बनाया था। वहीं दूसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव हैं। सूर्यकुमार ने साल 2023 में श्रीलंका के खिलाफ 45 गेंदों पर ही शतक लगा दिया गया है। वहीं केएल राहुल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ साल 2016 में 46 गेंदों पर ही शतक दगा दिया था।

टी20 विश्वकप में जीत के बाद विज्ञापन जगत में क्रिकेटरों की मांग बढ़ेगी

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 विश्वकप में जीत के बाद भारतीय क्रिकेटरों की विज्ञापन जगत में भी मांग बढ़ी है। ऐसे में इनके विज्ञापन अनुबंध और बढ़ सकते हैं। इस जीत से खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू भी बढ़ी है और उन्हें अधिक तादाद में नए विज्ञापन मिल सकते हैं। स्पोर्ट्स मार्केटिंग एजेंसियां भी इस जीत का लाभ उठाना चाहती हैं। कप्तान रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे क्रिकेटर कई 89 ब्रांड्स का विज्ञापन करते हैं। इनके विज्ञापन करार देखने वाली एजेंसी ने विश्व कप से पहले ही लगभग 10 विज्ञापन करार कर लिए थे। आने वाले दिनों में इनके और बढ़ने की संभावना है।

रोहित और विराट कोहली प्रति करार के लिए 3.5 करोड़ रुपये से 7 करोड़ रुपये के बीच लेते हैं। वहीं, बुमराह, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे अन्य शीर्ष खिलाड़ी 2 से 3 करोड़ रुपये में करार करते हैं। ऐसे में विश्वकप जीत के बाद विशेष रुप से

बड़े खिलाड़ियों को विज्ञापन से ज्यादा कमाई होगी। इस बार गेंदबाजों को भी बड़े करार मिल सकते हैं क्योंकि विश्वकप में वे अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से ही छाये हुए हैं। आईसीसी इवेंट में भारत की एक दशक के बाद हुई जीत से भी क्रिकेटरों के लिए नए ब्रांडों को अपनी ओर आकर्षित करने और वैश्विक विज्ञापन हासिल करने को मिलेंगे। उन्हें ब्रांड पोर्टफोलियो में दोहरे अंकों में ग्रोथ और विज्ञापन शुल्क के स्तर में बढ़ोतरी की उम्मीद है। उनके मौजूदा ब्रांड वैल्यू में भी 15 से 20 फीसदी की बढ़त हो सकती है।

पेरिस ओलंपिक से पहले स्विटजरलैंड रवाना भारतीय हॉकी टीम

बेंगलुरू । भारतीय पुरुष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक से पहले स्विटजरलैंड में मशहूर माइक हार्न्स बेस के लिए रवाना हो गई जिसके बाद नीदरलैंड में एक अभ्यास शिविर में भाग लेगी। स्विटजरलैंड में 3 दिवसीय शिविर खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाने के लिए लगाया गया है। इसके बाद टीम नीदरलैंड में अभ्यास मैच खेलेगी और फिर पेरिस रवाना होगी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि ओलंपिक से पहले आगामी अनुभव टीम को मानसिक और शारीरिक रूप से सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रखने के लिये काफी उपयोगी होंगे। उन्होंने कहा कि हमने अभी बेंगलुरू में 2 सप्ताह का शिविर खत्म किया है। अब स्विटजरलैंड में माइक हॉर्न जा रहे हैं जो साहसिक गतिविधियों का केंद्र है। इसके बाद टीम नीदरलैंड और मलेशिया से अभ्यास मैच खेलेगी। भारतीय टीम 20 जुलाई को पेरिस पहुंचेगी। भारत को ओलंपिक में पहला मैच 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से खेलना है जिसके बाद 29 जुलाई को अर्जेंटीना से, 30 जुलाई को आयरलैंड और एक अगस्त को बेल्जियम से मुकाबला है। आखिरी ग्रुप मैच 2 अगस्त को आस्ट्रेलिया से खेलना है। भारत को नॉकआउट में पहुंचने के लिये शीर्ष 4 में रहना होगा।

ओलंपिक पदक से बदलती है कई लोगों की जिंदगी : साक्षी मलिक

मुंबई । महिला पहलवान साक्षी मलिक और शीर्ष जिम्नास्ट दीपा करमाकर ने कहा है कि ओलंपिक पदक जीतने का सपना केवल खिलाड़ी का ही नहीं बल्कि उसके पूरे परिवार का होता है। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी ने कहा है कि पदक केवल खिलाड़ी की ही नहीं बल्कि उससे जुड़े लोगों की भी जिंदगी बदल देता है। इससे उभरती हुई प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलती है। साक्षी ने कहा कि पदक विजेता के साथ ही उसके आसपास का माहौल भी बदलने लगता है और लोगों का ध्यान खेल पर जाता है। वे समझ जाते हैं कि इसमें भी कैरियर बन सकता है। साथ ही कहा कि जब मैंने पदक जीता था उसके बाद मैरे गृहनगर रोहतक में खेल की सुविधाएं बढ़ीं। बेहतर स्टेडियम बने हैं। यहां तक कि मेरे गांव में भी एक स्टेडियम बन गया है। इससे उभरते बच्चों को खेल की बेहतर सुविधाएं मिलती है।

इसके साथ ही उनके राज्य में कुश्ती का शौक तेजी से बढ़ा है। इसके साथ ही महिला पहलवानों की सफलता को देखतकर कई लड़कियां भी इस खेली में आ रही हैं। इस प्रकार लड़कियों ने साबित कर दिया है कि वे भी कुश्ती में आगे बढ़ सकती हैं। वहीं जिम्नास्ट दीपा ने कहा कि 2016 के रियो ओलंपिक के बाद त्रिपुरा में बहुत कुछ बदल गया है। पहले लोगों की सोच थी कि वे जिमनास्टिक में नहीं जा सकते पर अब ऐसा नहीं है। और अब त्रिपुरा में तेजी से बच्चे इस खेल में आ रहे हैं। इसके अलावा खेल की सुविधाएं भी पहले से बेहतर हुई हैं और कई प्रशिक्षण केन्द्र भी खुल गये हैं।

साबले ने राष्ट्रीय स्टीपलचेज रिकॉर्ड तोड़ा, पेरिस डायमंड लीग में रहे छठे स्थान पर

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय धावक अविनाश साबले ने रफ्तार और धैर्य एवं सहनशक्ति का परिचय के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस डायमंड लीग 2024 में पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया।

अविनाश साबले महाराष्ट्र के रहने वाले हैं और वह भारत के प्रमुख भारतीय स्टीपलचेज धावकों में से एक हैं। पेरिस में ओलंपिक खेल कुछ ही हफ्ते दूर हैं, साबले ने अपने पिछले रिकॉर्ड से एक सेकंड कम के साथ 8:09.91 का शानदार समय निकाला। सितारों से सजे मैदान में प्रतिस्पर्धा करते हुए, वह रविवार को चार्लेटी स्टेडियम में छठे स्थान पर रहे। साबले का पिछला सर्वश्रेष्ठ समय 8:11.20 था, जो उन्होंने दो साल पहले बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर हासिल किया था।

डायमंड लीग में, इथियोपिया के अब्राहम

सिमे 8:02.36 के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ के साथ विजयी हुए, उन्होंने फोटो फिनिश में केन्या के राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता अमोस सेरेम को बहुत ही मामूली अंतर से हराया। केन्या के विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अब्राहम किबिवोट ने 8:06.70 का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया, उसके बाद ट्यूनीशियाई रिकॉर्ड धारक मोहम्मद अमीन झिनाउई और न्यूजीलैंड के 1500 मीटर इनडोर विश्व चैंपियन जियोड्री बीमिश रहे।

प्रतियोगिता में 17 धावकों ने सर्वोच्चता के लिए प्रतिस्पर्धा की, जो सेबल की वर्ष की तीसरी 3000 मीटर स्टीपलचेज थी। उनका सीज़न ऑरलैंडो में पोटलैंड ट्रैक फेस्टिवल में 8:21.85 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहने के साथ शुरू हुआ। उन्होंने पंचकुला में भारत की अंतरराज्यीय प्रतियोगिता में भी अपना दबदबा बनाया और 8:31.75 का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया था। पुरुषों की भाला फेंक में भारत के किशोर जेना 78.10 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ आठवें स्थान पर रहे। जो ओलंपिक के लिए पूरी तरह से तैयार है। जेना ने मजबूत शुरुआत की इसके बावजूद थ्रो के लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ा और अंततः 78.05 मीटर, 76.57 मीटर की दूरी तय की और आगे के थ्रो से चूक गईं। जेना का यह इस साल का दूसरा डायमंड लीग इवेंट था, इससे पहले उन्होंने दोहा में 76.31 मीटर भाला फेंक कर रिकॉर्ड किया था।

विंबलडन : यानिक सिनर क्वार्टर फाइनल में, कोको गॉफ बाहर

लंदन। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया लेकिन महिला वर्ग में कोको गॉफ को बाहर का रास्ता देखना पड़ा। सिनर ने 14वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन के खिलाफ 6-2, 6-4, 7-6 (9) से जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा। एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच कार्लोस अल्काराज और टॉमी पॉल के बीच खेला जाएगा। गत चैंपियन अल्काराज ने 16वें वरीय उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-4, 1-6, 7-5 से पराजित किया। पॉल ने रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट को 6-2, 7-6 (3), 6-2 ही हरा कर पहली बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मेदवेदेव ने ग्रिगोर दिमित्रोव के पहले सेट में पांव पर चोट लग जाने के कारण बाहर हो जाने से अंतिम आठ में प्रवेश किया। महिला वर्ग में मेडिसन कीज के तीसरे सेट में 5-5 के स्कोर पर हट जाने के कारण जैस्मीन पाओलिनी ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पाओलिनी का अगला मुकाबला एम्मा नवारो से होगा, जिन्होंने मौजूदा अमेरिकी ओपन चैंपियन गॉफ को 6-4, 6-3 से हराया। क्वालीफायर लुलु सन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है जहां उनका मुकाबला डोना वेकिच से होगा। सन ने 2021 की अमेरिकी ओपन चैंपियन एम्मा राडुकानू को 6-2, 5-7, 6-2 से हराया। यह 2010 के बाद पहला अवसर है जबकि महिला वर्ग में किसी क्वालीफायर ने अंतिम आठ में प्रवेश किया। वेकिच ने बारिश से प्रभावित एक अन्य मैच में पाउला बडोसा को 6-2, 1-6, 6-4 से हराया।

भारत के खिलाफ श्रृंखला से पूर्व जयसूर्या श्रीलंका के अंतरिम कोच नियुक्त

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या को इस महीने के अंत में भारत के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला से पहले टीम का अंतरिम मुख्य कोच नामित किया गया है। भारतीय टीम 27 जुलाई से शुरू होने वाले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे मैचों के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। आक्रामक सलामी बल्लेबाजी के साथ स्पिन गेंदबाजी करने वाले 55 साल के वामहस्त खिलाड़ी जयसूर्या इंग्लैंड के क्रिस सिल्वरवुड की जगह लेंगे।

सिल्वरवुड ने टी20 विश्व कप में टीम टीम के खराब प्रदर्शन के बाद इस्तीफा दे दिया था। वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले गये इस विश्व कप में टीम लीग चरण से आगे नहीं बढ़ पायी थी। 'डेली मिरर% अखबार की रिपोर्ट के अनुसार जयसूर्या श्रीलंका के इंग्लैंड टेस्ट दौरे की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। जयसूर्या इससे पहले टीम के मुख्य चयनकर्ता भी रह चुके हैं। अपने समय के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में से एक जयसूर्या टी20 विश्व कप के दौरान टीम के सलाहकार थे।

जयसूर्या ने 1991 से 2007 के बीच श्रीलंका के लिए 110 टेस्ट में 6973 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 40.07 का रहा है और उन्होंने 14 शतक और 31 अर्धशतक जड़े। उन्होंने 445 एकदिवसीय में 28 शतक और 68 अर्धशतक की मदद से 13,430 रन बनाये हैं। जयसूर्या ने टेस्ट में 98 जबकि एकदिवसीय में 323 विकेट भी चटकाए हैं। वह 1996 में विश्व कप जीतने वाली श्रीलंका की टीम के अहम सदस्य थे।

टी 20 से सन्यास के बाद अब एक्शन में कब लौटेंगे रोहित शर्मा और विराट कोहली?

मुंबई (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज में भारत के विजयी टी20 विश्व कप 2024 अभियान के बाद भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली ने अपने टी20ई संन्यास की घोषणा की। मेन इन ब्लू ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर जीत के साथ अपने 11 साल लंबे आईसीसी ट्रॉफी सूखे को समाप्त किया और दूसरी बार टी20 चैंपियन बना। विराट और रोहित ने रवींद्र जडेजा के साथ मिलकर इसे अपने अंतरराष्ट्रीय 20 ओवर के करियर के शिखर पर पहुंचने का समय बताया। शुभमन गिल के नेतृत्व में एक नए रूप वाली भारतीय टीम भविष्य के लिए एक टीम बनाने के लिए पांच मैचों की टी20ई श्रृंखला के लिए जिम्बाब्वे में है।

अब कई प्रशंसक क्रिकेट के मैदान पर रोहित, विराट और जडेजा को वापस एक्शन में देखने के लिए उत्सुक होंगे। लेकिन उनके दोबारा 22 गज लेने की संभावना कब है? इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाए हैं। भारत को 6 जुलाई से 14 जुलाई तक जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की ञ्ज20ढ्ढ श्रृंखला खेलनी है। इस श्रृंखला के बाद, मेन इन ब्लू सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका की यात्रा करेगा। मेन इन ब्लू 27 जुलाई से तीन टी20 और इतने ही वनडे मैचों में लंकाई लायंस से भिड़ेगा।

श्रृंखला 27 जुलाई, 28 जुलाई और 30 जुलाई को तीन टी20 मैचों के साथ शुरू होगी, इसके बाद 2 अगस्त, 4 अगस्त और 7 अगस्त को एकदिवसीय मैच होंगे। चूंकि तीन खिलाड़ियों ने टी20 को बाय कह दिया है, इसलिए उनके 2 अगस्त से वनडे सीरीज में खेलने की संभावना है। रोहित शर्मा अब जिन दो प्रारूपों में खेल रहे हैं उनमें उनकी कप्तानी को कोई खतरा नहीं है क्योंकि बीसीसीआई सचिव जय शाह ने घोषणा की है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए भी कप्तान होंगे।

जय शाह ने बीसीसीआई के एक वीडियो में कहा कि 23 नवंबर को 10 मैच जीतकर हमने दिल तो जीत लिया, लेकिन कप नहीं जीत पाए। मैंने राजकोट में कहा था कि 29 जून को हम दिल जीतेंगे, कप जीतेंगे और बारबाडोस में झंडा फहराएंगे। और हमारे कप्तान ने इसे वहां फहराया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस जीत के बाद, आगामी आईसीसी इवेंट - डब्ल्यूटीसी फाइनल और चैंपियंस ट्रॉफी, मुझे पूरा विश्वास है कि रोहित शर्मा की कप्तानी में हमारी टीम चैंपियन बनेगी।

क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने ग्लोबल चेस लीग में टीम खरीदी

नयी दिल्ली। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अमेरिकन गैम्बिट्स टीम के सह मालिक बन गए हैं जो ग्लोबल चेस लीग (जीसीएल) के दूसरे सत्र में हिस्सा लेने वाली नई टीम है। जीसीएल टेक महिंद्रा और अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के संयुक्त स्वामित्व वाली लीग है। लंदन में तीन से 12 अक्टूबर तक होने दूसरे सत्र के लिए लीग ने सोमवार को छह फ्रेंचाइजी को पेश किया। जाने माने व्यवसायी प्रचुर पीपी, वेंकट के नारायण और अश्विन के स्वामित्व वाली अमेरिकन गैम्बिट्स टूर्नामेंट में चिंगारी गल्फ टाइटंस की जगह लेगी। एक प्रेस विज्ञप्ति में अश्विन के हवाले से कहा गया, ''हम अमेरिका गैम्बिट्स को शतरंज जगत के सामने पेश करके रोमांचित हैं। रणनीतिक प्रतिभा और अटूट दृढ़ संकल्प के मिश्रण के साथ हमारी टीम खेल को फिर से परिभाषित करने का लक्ष्य रखती है। सह मालिक के रूप में मैं उनकी यात्रा का गवाह बनने और उनकी सफलता में योगदान देने के लिए उत्साहित हूं।'' लीग के दूसरे सत्र में हिस्सा लेने वाली पांच अन्य फ्रेंचाइजी अल्पाइन एसजी पाइपर्स, पीबीजी अलास्कन नाइट्स, गैंगेस ग्रैंडमास्टर्स, गत चैंपियन त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स और मुंबा मास्टर्स हैं।

...फिर, आप रहेंगी खुश

- यदि आप एक घंटे के लिए खुश रहना चाहती हैं तो एक झपकी ले लें।
- यदि आप एक दिन के लिए खुश रहना चाहती हैं तो पिकनिक पार्टी में सम्मिलित हो लें।
- यदि आप एक सप्ताह के लिए खुश रहना चाहती हैं तो फैमिली के साथ कहीं घूम-फिर आएं।
- यदि आप एक महीने के लिए खुश रहना चाहती हैं तो शादी कर लें।
- यदि आप एक साल के लिए खुश रहना चाहती हैं तो बड़ी जायदाद की वारिस बन जाएं।
- यदि तुम जिंदगी भर के लिए खुश रहना चाहती हैं तो अपने काम से प्यार करना सीखें।

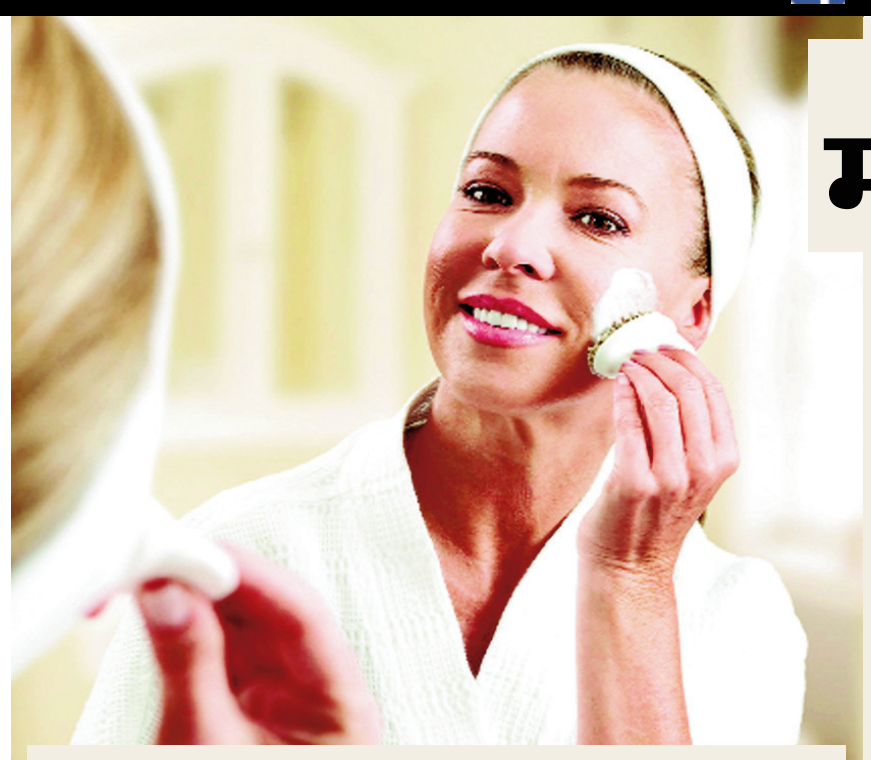

मॉइश्चराइजर का उपयोग करना कई लोगों के लिए आम है। कुछ मामलों में, लोशन या मॉइश्चराइजिंग क्रीम का उपयोग, कोमल और स्वस्थ त्वचा को बनाए रखने की इच्छा के वजह से होता है।

ऐसे इस्तेमाल करें
मॉइश्चराइजर

अन्य समय में मॉइश्चराइजर का उपयोग एक उपकरण के रूप में किया जाता है, ताकि कुछ प्रकार की त्वचा की समस्याओं को ठीक कर सके, संभवतः खुजली से राहत लाने के लिए, खरोंच या सूखापन जो की चिकित्सा समस्या के साथ जुड़ा होता है, उसको कम करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। मॉइश्चराइजर को कितनी बार लगाना है, यह एक आम सवाल है, जिसका उत्तर व्यक्तिगत स्थिति के आधार पर होता है। यहां कुछ उदाहरण हैं मॉइश्चराइजर के उपयोग के आम करणों के साथ और इसे कितनी बार लगाना आवश्यक होता है।

- जो लोग त्वचा की देखभाल के मौजूदा काम के लिए स्वस्थ त्वचा को बनाए रखने में संलग्न होते हैं, उनके लिए नियमित रूप से मॉइश्चराइजिंग महत्वपूर्ण होता है।
- लोशन कितनी बार लगाएं, इसके लिए ध्यान रखना पड़ता है कि त्वचा कितना प्राकृतिक तेल ग्रहण कर सकती है।
- कुछ लोग लोशन का प्रयोग नहाने के बाद त्वचा को मॉइश्चराइज करने के लिए करते हैं, ताकि जो नमी साबुन के उपयोग से हट गई है, उसे वापस लाया जा सके।
- जिन लोगों की त्वचा तेलीय होती है, उन लोगों को मॉइश्चराइजर का उपयोग हर दूसरे दिन या सप्ताह में दो बार काफी होता है, ताकि वो त्वचा में नमी की समान मात्रा बनाए रख सके।
- जब किसी प्रकार का चिकित्सा समस्या होती है, जिसकी वजह से त्वचा शुष्क हो जाती है, कम से कम दिन में एक बार मॉइश्चराइजर का उपयोग करें या कभी-कभी एक से अधिक बार ताकि किसी भी असुविधा और त्वचा को धीमी गति से क्षति को कम करने में मदद कर सके।
- जो लोग एक्जिमा से पीड़ित होते है, उन्हें बहुत खुजली होती है। खुजली की स्वाभाविक प्रवृत्ति, खरोंच होती है, जो आगे त्वचा में जलन पैदा करती है और त्वचा को नुकसान पहुंचाती है।

- औषधीय मॉइश्चराइजर से प्रतिदिन या दिन में दो बार मॉइश्चराइजिंग करने से खुजली काफी शांत होती है और लगातार खरोंच के नुकसान से त्वचा को बचाती है।
- समय-समय पर मॉइश्चराइजिंग क्रीम या लोशन का उपयोग करने से फायदा होता है। जो बच्चे नियमित रूप से बाहर खेलते हैं, उन्हें सनस्क्रीन लोशन लगाना चाहिए।
- हालांकि, नहाने के बाद खुशबू मुक्त लोशन की एक छोटी राशि को लगाने से युवा त्वचा को कोमल बनाने में मदद करता है और त्वचा के शुष्क होने की संभावना को कम करता है।
- आमतौर पर पुरुष मॉइश्चराइजर का उपयोग करने के बारे में नहीं सोचते हैं। हालांकि, खुशबू मुक्त मॉइश्चराइजिंग एजेंट को कोहनी, एड़ी और पैरों की गेंदों पर लगाना चाहिए, ताकि खुरदुरी शुष्क त्वचा के विकास को रोका जा सके, जो बाद के वर्षों में समस्याओं का कारण बनती है।
- नहाने के बाद थोड़ा समय निकाल कर सप्ताह में एक या दो बार लोशन लगाना काफी होता है, ताकि जो क्षेत्र शुष्क हो जाता है, उसे मजबूत और स्वस्थ त्वचा बनाये रखने में मदद करता है।
- सामान्य रूप में नहाने के बाद मॉइश्चराइजर लगाना अच्छा होता है। उस समय नहाने के लिए जो पानी का उपयोग किया गया था, उसकी छोटी राश को पकड़ कर रखता है। मॉइश्चराइजिंग प्रोडक्ट उस नमी को पकड़ने में मदद करता है।
- जब तक कि आपकी त्वचा बहुत तेलीय ना हो, मॉइश्चराइजर के दैनिक उपयोग से कोई समस्या पैदा नहीं हो सकती। हालांकि, जिन लोगों की विशेष त्वचा स्थिति होती है, उन्हें त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श करना चाहिए।

नैचुरल ग्लो

तैलीय त्वचा की खूबी है कि इस पर जल्दी झुर्रियां नहीं पड़ती हैं। और चेहरे पर हमेशा चमक बरकरार रहती है। लेकिन तैलीय त्वचा की अगर सही देखभाल न की जाए तो खुले छिद्र और मुंहासे की समस्या शुरू होते देर नहीं लगती। ऐसी त्वचा पर जल्दी कोई मेकअप भी सूट नहीं करता है। अपनी त्वचा के रंग से थोड़े हल्के रंग का फाउंडेशन चुनें। यह आपको नैचरल लुक देगा। फाउंडेशन स्टिक तेल को कम करेगी और कई घंटों तक आप फ्रेस लगेंगी। तैलीय त्वचा के लिए लिक्विड फाउंडेशन के बजाय पाउडर फाउंडेशन ज्यादा असरदायक होता है। यह त्वचा का अतिरिक्त तेल सोख लेता है और उसे त्वचा को साफ-सुथरा बनाता है।

बोल्ड एंड ब्यूटीफुल

आजकल बोल्ड एंड ब्यूटीफुल का कॉन्सेप्ट बेहद पॉपुलर है और डिजाइनर ने इसे अपने क्रिएशन में बखूबी उतारा है। ब्लैक जैसे बोल्ड रंग पर चिकन की कढ़ाई और मिरर वर्क के साथ डिजाइनर ने काफी एक्सपेरिमेंट किया है। शॉर्ट कुर्ती जैसे रेग्यूलर आउटफिट को फैंसी टाइट्स या जींस के साथ टीम करके एक अलग और आकर्षक लुक तैयार किया जा सकता है। बात एसेसरीज की करें तो बोल्ड एंड ब्यूटीफुल लुक के लिए चंकी ज्यूलरी उपयुक्त होती है। गर्ल नेक्स्ट डोर इस कलेक्शन में बाटिक प्रिंट्स और पैचवर्क को प्रमुखता से प्रयोग किया गया। रंगों के एक्सपेरिमेंट में डिजाइनर ने कलात्मकता का पूरा परिचय दिया है। चटख रंगों के साथ कंटेंपरेरी कट्स के प्रयोग वाली यह ड्रेस प्रोफेशनल और कॉलेज-गोइंग लड़कियों के लिए उपयुक्त है। ये ड्रेसेज कॉटन फैब्रिक्स से डिजाइन की गई हैं जो इन्हें पहनने में और भी ज्यादा आरामदायक बनाता है। इस तरह के कलरफुल आउटफिट्स को रात की पार्टीस में भी आराम से कैरी किया जा सकता है।

किसी पर बोझ न बनें
रिटायर्ड लाइफ

बदलते वक्त के साथ जहां पति-पत्नी के रिश्तों की नई परिभाषाएं बनी हैं, वहां सेवानिवृत्त पति को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। एक महिला का कहना था- मैं नहीं जानती मैं अपने पति के साथ कैसे व्यवहार करूं।

सेवानिवृत्त होने के बाद कुछ हफ्ते तक तो वह तनावग्रस्त रहे, बस समाचार-पत्र पढ़ने, टीवी देखने आदि में व्यस्त रहे, लेकिन फिर उन्होंने किसी कंपनी के अध्यक्ष की तरह व्यवहार करना शुरू कर दिया और घर को चलाने का सारा काम अपने हाथ में ले लिया। मैं सचमुच घर में उनके काम करने के ढंग को लेकर तंग आ गई हूं।

आम समस्या बन रही आदत

यह समस्या सिर्फ एक महिला की नहीं है। प्रायः हर उस महिला की है, जिसका पति नौकरी से सेवानिवृत्त होता है। अंतर केवल उसके काम की प्रकृति का होता है। बाबू के पद से सेवानिवृत्त है तो कोई अफसर के पद से। साथियों के पास उसका व्यवहार कैसा रहा है। यह भी बहुत बाद यह सब कुछ उसके व्यक्तित्व में समा जाता है। घर की समस्याओं को भी वह दफ्तर की समस्याओं की तरह ही निपटाने लगता है। अपने अधीनस्थों के साथ उसका संवेदनशील व्यवहार घर के सदस्यों के साथ भी दिखाई देने लगता है।

अपनी चलाने की कोशिश

समस्या उस समय और भी बढ़ जाती है, जब पति और पत्नी दोनों उच्च पदों से सेवानिवृत्त हुए हों। दफ्तर की तरह घर में भी सब कुछ पति की मर्जी के अनुसार हो ऐसा संभव नहीं। बड़ा साहब होने के कारण दफ्तर में सभी लोग उनके अनुसार चलते थे, लेकिन घर में अगर वह चाहते हैं कि शांति रहे तो उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों के साथ समझौता करना होगा।

बच्चों को समझना होगा

बच्चों के अपने कर्तव्य होते हैं। उनका फर्ज है बूढ़े मां बाप की देखभाल करना। दूसरी तरफ मां-बाप को भी उन्हें और उनकी समस्याओं को समझना होगा। आज के समय में किसी को ग्रांटिड नहीं लिया जा सकता। पत्नी को भी नहीं, हर एक व्यक्ति को अपने लिए थोड़ी जगह चाहिए। कुछ समय वह अपने लिए और अपने साथ भी बिताना चाहता है। अगर यह बात पुरुष को समझ आ जाए तो घर में अशांति पांव नहीं रख सकतीं। अच्छा यही होगा कि अगर हमारी सेहत अच्छी है।

काम का चुनाव कर लें

रिटायर होने के बाद हमारे अंदर काम करने की क्षमता है तो हम रिटायर होने से पहले अपने लिए काम का चुनाव कर लें, ताकि न खुद परेशान हों न घरवाले। अब मैं रहकर घर के हर काम में टीका टिप्पणी करना किसी को भी नहीं सुहाएगा। सच तो यह है कि न तो घरवालों को 24 घंटे आपका चेहरा देखने की आदत होती है और आपको उनका चेहरा देखने की हर समय की नोक-झोंक घर के वातावरण को खराब कर देती है।

पीढ़ी का अंतर समझें

आखिर पीढ़ी का अंतर भी तो होता है। कहते हैं शादी का सुख जवानी से अधिक बुढ़ापे में होता है, जवानी तो मौजमस्ती में निकल जाती है, लेकिन बुढ़ापे में जब बच्चे अपने-अपने बसेरे बना लेते हैं, तब पति-पत्नी ही एक दूसरे के मित्र और साथी होते हैं और हर तरह का सुख-दुख बांटते हैं। बच्चों से जो शिकायतें होती हैं, वे भी बच्चों की बजाय एक दूसरे से कहकर मन हल्का कर लेते हैं। यह तभी संभव है, जब वे एक दूसरे को समझते हों। रिटायर तो सबको एक दिन होना ही होता है। पत्नी ने सारा जीवन पति की इच्छानुसार जिया, रिटायरमेंट के बाद पति अगर पत्नी की इच्छानुसार जीकर जीवन में नया रंग, नया रूप और नई उमंग भर सकता है, कोशिश तो की ही जा सकती है।

टीन्स का फैशन फिवर

गर्मी में सभी अपना ड्रेसिंग स्टाइल चेंज कर लेते हैं। समर में क्लाथ, वर्क और कलर में भी बदलाव आ जाता है। इसमें टीन एजर्स कैसे पीछे रह सकते हैं। उनके लिए ट्रेंडी के साथ कूल-लुक वाले ड्रेसेस बेहतरीन ऑप्शन है, जो न केवल फैशन में अपडेट रखते हैं, बल्कि जरा हटके दिखने की चाह को भी पूरा करते हैं।

ट्रैंडी कलर्स

गर्मी के मौसम में हल्के रंगों की ड्रेस की मांग बढ़ जाती है। ये ड्रेस सूर्य की रोशनी को रिफ्लेक्ट करते हैं। इससे शरीर को ठंडक मिलती है। पैस्टल कलर जैसे कैंडी पिंक, पर्पल, लाइट फिरोजी, येलो कलर ऑफ व्हाइट, व्हाइट, पिस्ता, सी ग्रीन 2011 के समर सीजन के ट्रैंडी कलर्स हैं।

बेबी डॉल ड्रेसेस

गर्ल्स इस सीजन में बेबी डॉल ड्रेसेस पहन सकती हैं। एलाइन या स्ट्रेट के साथ फ्लोरल प्रिंट, एम्पायर बेस लाइन से सजी बेबी डॉल ड्रेसेस पर्सनैलिटी को आकर्षक बनाती हैं। ऐसी ड्रेसेस की लंबाई घुटनों तक होती है। यदि इसे लेगिंग्स या जीन्स के ऊपर डालें तो यह स्मार्ट लुक देगा। इसमें फ्रंट कट, बैक कट, ओपन नेक, कट स्लीव, वेस्ट लाइन फिटेट, बैक पोर्शन ओपन जैसे बदलाव लाकर इसमें वेरिएशन्स ला सकती हैं।

ट्यूनिक्स

एम्ब्रायडरी वाले बैलून शेप ट्यूनिक्स का लड़कियों के बीच खूब क्रेज रहता है। इसे लैगिंग्स या शार्ट्स के साथ पहना जाता है। प्रिंटेड लैगिंग्स

आजकल फैशन में इन हैं। जीन्स और ट्यूनिक्स का मैच भी स्मार्ट लुक देता है।

टाइ एंड डाई

यह डाई करने की ऐसी टेक्निक है, जिसमें कपड़े पर डाई से ग्राउंड या पैटर्न बनाया जाता है। इसके ट्यूनिक्स या टॉप आजकल फैशन में हैं। टाई एंड डाई के कलीदार कुर्ते के साथ लाइक्रा का चूड़ीदार पायजामा खूब फबता है। यदि इसके साथ यूनिक स्टाइल आजमाना हो, तो नेट वाला स्टोल डाल सकते हैं।

शेप्ड फिगर से मिलती है खुशी

कहते है अगर किसी महिला को आकर्षित करना हो तो उसकी तारीफ करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि एक महिला को सबसे ज्यादा खुशी मिलती है अपने शेप्ड फिगर को देखकर या उसकी प्रशंसा सुनकर। एक अध्ययन के मुताबिक अपने प्यार से ज्यादा खुशी महिला को अपनी छरहरी काया को देखकर मिलती है।

मोटा होना है दुखदाई

दूसरी तरफ मोटा होना एकाकी जीवन जीने से कहीं ज्यादा दुखदाई होता है। इतना ही नहीं, पतले होने से रिश्ते में ज्यादा संतोष का अनुभव होता है। विशेषज्ञों के अनुसार अधिक वजनदार होने से जुड़ी पीड़ा इतनी बड़ी हो चुकी है कि यह करीब-करीब जीवन के हर पक्ष को प्रभावित कर रही है। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. गगनदीप कौर कहती हैं, मोटापे से जितनी शारीरिक समस्याएं होती हैं, उतनी ही मानसिक समस्याएं भी होती जाती हैं। स्त्रियों के लिए खासतौर पर मोटापा मानसिक प्रभाव डालने वाला होता है।

उत्तम है घरेलू जीवन

सन् 1984 से 2008 के बीच 24 साल तक हजारों जर्मन लोगों के जीवन का अध्ययन किया गया और पाया गया कि अच्छा घरेलू जीवन एक चमकदार कैरियर से कहीं ज्यादा बेहतर होता है। इस अध्ययन से संबद्ध मनोचिकित्सक का कहना है कि, 'मैंने बहुत सी मोटी महिलाओं के साथ काम करने के बाद पाया कि उनके दिमाग में अधिक वजन की चिंता हरदम बनी रहती है। इसकी वजह यह है कि आज हम ऐसे समाज में रह रहे हैं, जो अपने नैन-नक्श, आकार-प्रकार और आकर्षण को निरंतर निखारने में लगा हुआ है। मोटे लोगों पर अकसर टिप्पणी होती है कि यह मूर्ख और सुस्त है, जिसे अपनी जरा भी परवाह नहीं है। अध्ययन में बताया गया कि सामाजिक होना और कसरत करना जीवन में संतोष प्रदान करता है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि कम काम करना, अधिक काम करने की तुलना में ज्यादा दुख पहुंचाता है।

पाकिस्तान में आतंकवादी हमले में सीटीडी अधिकारी की मौत

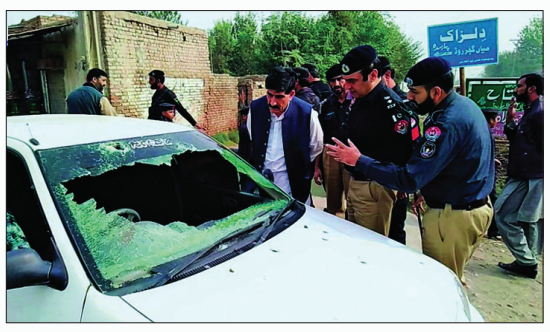

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में हुए एक आतंकवादी हमले में एक अधिकारी की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीटीडी के उप महानिरीक्षक आसिफ एजाज शेख ने बताया कि सीटीडी का एक वरिष्ठ अधिकारी कराची के करीमाबाद इलाके में अपने दोस्त से मिलने गए थे, इस दौरान मोटरसाइकिल पर सवार अज्ञात आतंकवादियों ने उन पर गोलियां चलाई। इस हमले में अधिकारी की मौत हो गई और एक सुरक्षा गार्ड गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि नजदीकी अस्पताल ले जाते समय घायल अधिकारी की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि गोलियां चलाने के बाद आतंकवादी घटनास्थल से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि यह सीटीडी कर्मियों पर लक्षित हमला था और आतंकवादियों ने उन पर गोलियां तब चलाई जब वो बुलेटप्रूफ वाहन से बाहर आ गए थे। पुलिस ने उनकी तलाश शुरु कर दी है।

कैसे लगी कचरे में आग.... जो 60 सालों से नहीं बुझी

फ्लोरिडा । क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा शहर भी है, जो पिछले 60 सालों से लगातार जल रहा है? एक बड़ी चूक की वजह से आज ये शहर भूतिया बन गया हैज्क्योंकि अब यहां कोई नहीं रहता। जब शहर की हवा में जहर घुलने लगा, तब यकीनन लोग अपना घर छोड़कर चले गए। इस शहर तक जाने वाली सड़कों पर मिट्टी के ढेर डाल दिए गए जिससे यहां टूरिस्ट न जा सकें। यहां के पोस्टल जिप कोड को भी खत्म कर दिया गया, आग बुझाने की काफी कोशिशें की गईं, मगर सारी कोशिशें नाकाम साबित हुईं। आखिर ये शहर है कहां? बात कर रहे हैं अमेरिका के पेंसिलवेनिया में स्थित सेंट्रेलिया नाम के एक छोटे से शहर की। सेंट्रेलिया के जलने की शुरुआत होती है 1962 गर्मियों में, जब ये शहर देश के मेमोरियल डे की तैयारी कर रहा था। अमेरिका में अपने दिवंगत सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए मई के आखिरी सोमवार को मेमोरियल डे मनाया जाता है। मई 1962 में भी ऐसा ही होना था। सेंट्रेलिया में मेमोरियल डे से पहले शहर के सारे कचरे को एक बड़े लैंडफिल, यानी कचरे के लिए बने गड्ढे में डालकर जला दिया जाता था। उस साल भी ऐसा ही होना था। कचरे को आग लगाई गई, पर एक बड़ी चूक हो गई। इस चूक में आग नीचे मौजूद कोयले की खदान में फैल गई। सेंट्रेलिया शहर बहुत बड़े कोयले की खदान पर बना है। ये खदानें जाल की तरह फैली हैं जो करीब 700 फीट की गहराई तक जाती हैं और हजारों एकड़ में फैली हैं। एक जगह पर आग लगने से खदानों में आग बढ़ती गई और देखते-देखते एक बड़े हिस्से को कवर कर लिया। ये आग 27 मई 1962 की रात लगाई गई थी। शुरू में आग बुझ गई। पर 2 दिन बाद दोबारा कूड़े वाली जगह पर आग जलती दिखाई दी। फिर 4 जून को दोबारा आग जलती हुई दिखाई दे गई। धीरे-धीरे कार्बन मोनोऑक्साइड गैस हवा में फैलने लगी जो बेहद जानलेवा होती है। खदान सुरक्कैहैना कोल कंपनी की थी। कंपनी के साथ अमेरिकी सरकार ने मिलकर आग बुझाने की कई कोशिशें कीं। सबसे पहले गड्ढे खोदने का फैसला लिया गया, जिससे आग ऊपर आ जाए और उस बुझाया जा सके, पर इसके लिए बहुत ज्यादा खुदाई करनी पड़ती और उतना फंड था नहीं। इसके बाद दूसरा प्लान ये बना कि पानी और छोटे पत्थरों को मिलाकर गड्ढों में भरा जाए, जिससे अंदर की आग बुझ जाए, पर तापमान काफी कम होने की वजह से पानी जमने लगा। 1983 तक पेंसिलवेनिया प्रशासन ने 58 करोड़ रुपये आग बुझाने के काम में खर्च कर दिए थे, पर सफलता नहीं मिली। लगातार धुआं निकलने की वजह से लोग घरों में बेहोश होने लगे, आसपास के पेड़-पौधे सूखने लगे। जानवर भी मरने लगे। साल 1980 तक शहर की आबादी 1000 तक हो गई थी। हालांकि, लोगों ने धीरे-धीरे धुएं के साथ जीना सीख लिया था। 1983 में फेडरल सरकार ने 350 करोड़ रुपये देकर सेंट्रेलिया को खरीद लिया और उसके बाद वहां से लोगों को हटाने और इमारतों को गिराने का काम शुरू किया। कई लोग अपना घर छोड़कर नहीं जाना चाहते थे। उन्होंने सरकार से कानूनी लड़ाई शुरू कर दी। 1993 तक वहां पर 63 लोग बचे थे। जबकि 2013 तक 10 से भी कम लोग रह गए थे। अब शहर पूरी तरह सुनसान हो चुका है। माना जा रहा है कि शहर के नीचे इतना कोयला है कि अगले 250 सालों तक जलता रहेगा।

हड़ताली चिकित्सकों का लाइसेंस नहीं होगा निलबिंत.....सरकार ने वापस लिया फैसला

सियोल । दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह देश में लंबे समय से चिकित्सकों के साथ जारी गतिरोध को खत्म करने के लिए, हड़ताल कर रहे चिकित्सकों के लाइसेंस निलंबित करने की अपनी योजना वापस लेगा। स्वास्थ्य मंत्री चो क्यो होंग ने कहा कि सरकार ने हड़ताल कर रहे चिकित्सकों के लाइसेंस निलंबित न करने का फैसला किया है, चाहे वे अपने अस्पतालों में काम पर लौटें या नहीं। चिकित्सा प्रशिक्षु और रेजीडेंट के तौर पर काम कर रहे 13,000 से अधिक जूनियर चिकित्सक मेडिकल कॉलेज में दाखिलों में वृद्धि करने की सरकार की योजना के विरोध में हड़ताल पर हैं। उनकी हड़ताल से अस्पतालों के कामकाज पर काफी असर पड़ा है। उनकी हड़ताल को तब झटका लगा जब मई में सियोल की एक अदालत ने सरकार की योजना के समर्थन में फैसला दिया। सरकार ने बाद में अपने अस्पतालों में काम पर लौटने वाले चिकित्सकों के लाइसेंस निलंबित करने की अपनी योजना वापस ले ली थी लेकिन काम पर न लौटने वाले चिकित्सकों के लिए ऐसा कोई कदम नहीं उठाया था।

इमरान के करीबी पूर्व मंत्री कुरैशी को लखपत जेल भेजा गया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी सहयोगी शाह महमूद कुरैशी को रावलपिंडी की अदियाला जेल से लाहौर की कोट लखपत जेल में ट्रांसफर किया गया। बता दें कि पाकिस्तान की अदालत ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान, उनके सहयोगी कुरैशी और पूर्व मंत्री शेख राशिद को तोड़फोड़ के एक मामले में हाल ही में बरी कर दिया था। पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 144 के उल्लंघन में कथित संलिप्तता के आधार पर इस्लामाबाद के थाने में दर्ज किया गया था। धारा 144 के तहत रैलियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। यह मामला साल 2022 में तोड़फोड़ से संबंधित है।

किंजल हाइपरसोनिक मिसाइलों से किया हमला.....20 लोगों की मौत

कीव । यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूसी सेना ने सोमवार को यूक्रेनी ठिकानों पर कई बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें दागीं। कीव शहर के विभिन्न हिस्सों से धुआं उठता देखा गया। यूक्रेन के आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि इस रूसी हमले में 20 लोगों की मौत हुई, और लगभग 50 लोग घायल हैं। वायुसेना ने बताया कि हमले में किंजल हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया, जो कि रूस के सबसे उन्नत हथियारों में से एक है। किंजल ध्वनि की गति से 10 गुना अधिक गति से उड़ता है, इस रोकना मुश्किल हो जाता है। रूसी मिसाइल हमले ने कीव के बच्चों के अस्पताल को निशाना बनाया है और अधिकारियों का कहना है कि वे क्षति का आकलन कर रहे हैं। कीव प्रशासन ने बताया कि कीव के सोलोमिंस्की, दिनप्रोव्स्की और होलोसिव्स्की जिलों में संभवत: मिसाइलों के गिरने से मलबा गिर गया, जिससे आग लग गई। कीव के कई इलाकों से धुआं उठ रहा था।

स्पेन में लोग एक जंगली गाय से बचने का प्रयास करते हुए।

किम की बहन ने सीमा के निकट सैन्य अभ्यास को बताया आत्मघाती कृत्य

सियोल। तानाशाह किम जोंग उन की शक्तिशाली बहन ने सोमवार को सियोल की जमकर आलोचना की। किम की बहन किम यो-जोंग ने दक्षिण कोरिया की सैन्य अभ्यासों को आत्मघाती करार दिया है। साथ ही इससे होने वाले भयानक आपदा को लेकर भी चेताया है। बयान के अनुसार, किम यो जोंग ने कहा कि यह एक खुला युद्ध का खेल है और एक अक्षम्य और स्पष्ट उकसावे की कार्रवाई है जो दोनों देशों की स्थिति को और बिगाड़ रही है। उत्तर कोरिया शासन की एक प्रमुख प्रवक्ता ने आगे कहा कि दक्षिण कोरिया के सीमा अभ्यास आत्मघाती हैं, जिसके लिए उन्हें भयंकर आपदा का सामना करना पड़ेगा। किम यो जोंग ने कहा कि यह सभी के लिए स्पष्ट है। डीपीआरके की सीमा के करीब आने वाले आरओके सेना के उपरोक्त लापरवाह लाइव गोला बारूद फायरिंग अभ्यासों का जोखिम पैदा कर रही है। अगर सियोल के अभ्यास उत्तर की संप्रभुता का उल्लंघन करते हैं, तो हमारे सशस्त्र बल तुरंत अपने मिशन को अंजाम देंगे।दरअसल, प्योंगयांग ने कचरे से भरे गुब्बारे साउथ कोरिया के कई हिस्सों में फेंके थे। इस हरकत के बाद सियोल ने पिछले महीने तनाव कम करने वाले सैन्य समझौते को पूरी तरह से निलंबित कर दिया और लाइव-फायर अभ्यास फिर से शुरू कर दिया।

फ्रांस चुनाव में परिणामों के बाद भड़की हिंसा, कई स्थानों पर लगाई आग

-वामपंथी दलों ने जीती सबसे ज्यादा सीटें, दक्षिणपंथी का टूटा सपना

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस में चुनाव परिणामों के बाद कई जगह हिंसा भड़क गई। इस चुनाव में वामपंथी दलों के गठबंधन ने सबसे ज्यादा सीटें हासिल की हैं। वहीं पहले दौर में चुनाव जीतने वाला दक्षिणपंथी दल नीचे खिसक गया। हालांकि यहां किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला है, जिससे फ्रांस में अनिश्चितता की ऐसी स्थिति बन गई है, जो पहले कभी नहीं बनी।

इस चुनाव में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का मध्यमार्गी गठबंधन दूसरे और दक्षिणपंथी तीसरे नंबर पर है इस चुनावों में तीन प्रमुख राजनीतिक दल उभरे हैं फिर भी उनमें से कोई भी 577 सीटों वाले निचले सदन नेशनल असेंबली में 289 सीटों के करीब नहीं पहुंच पाए हैं। चुनाव में सबसे बड़े दल बनकर उभरे वामपंथी गठबंधन ने 182 सीटें जीती हैं। वहीं मैक्रों के गठबंधन को 168 सीटें, जबकि धुर दक्षिणपंथी रैसेमबलेमेंट नेशनल और उसके सहयोगियों को 143 सीटें हासिल की हैं।

नेशनल असेंबली में वामपंथी और दक्षिणपंथी पार्टियों की सीटों में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि किसी भी दल को बहुमत नहीं मिलने से अगले प्रधानमंत्री को लेकर कोई दावेदार नहीं उभरा है। यहां वामपंथी या दक्षिणपंथियों को सरकार बनाने के लिए मध्यमार्गी इमैनुएल मैक्रों की पार्टी का समर्थन चाहिए होगा। हालांकि उसका कहना है कि वह नई सरकार पर कोई भी फैसला लेने से पहले नई नेशनल असेंबली के खुद को संगठित करने का इंतजार करेंगे।

नेशनल असेंबली का सत्र 18 जुलाई से शुरू होगा। फ्रांस में 30 जून को पहले चरण का चुनाव हुआ था, जिसमें मरीन ले पेन की 'नेशनल रैली' ने बढ़त बनाई थी। नेशनल रैली का नस्लवाद और यहूदी-विरोधी भावना से पुराना संबंध है और यह फ्रांस के मुस्लिम समुदाय की भी विरोधी है। दूसरे राउंड के चुनाव के इन नतीजों से मरीन ले पेन को बड़े झटके लगे हैं। इस बीच चुनाव परिणामों के बाद फ्रांस की सड़कों पर हिंसा भड़क गई है। हिंसा के कई वीडियो सामने आए हैं, जिसमें कई नकाबपोश प्रदर्शनकारियों को सड़कों पर उत्पात मचाते, फ्रांस के कुछ हिस्सों में आग लगाते हुए देखा जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने राजनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका के चलते पूरे देश में 30,000 पुलिस तैनात कर दी है और हिंसा करने वालों के साथ सख्ती से निपटने के लिए कहा गया है।

लो फिर आया बाइडेन का वीडियो... किस तरह ट्रंप के सामने भीगी बिल्ली साबित हो रहे

वाशिंगटन (एजेंसी)। जो बाइडन राष्ट्रपति चुनाव से पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहे। उन्होंने अंगद के पैर की तरह ही अपनी दावेदारी ठोक दी है। हालांकि राष्ट्रपति चुनाव से पहले पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई डिबेट में वे बिल्कुल भीगी बिल्ली साबित हुए। राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप वार पर वार कर रहे, लेकिन बाइडन का उनके पास कोई जवाब नहीं था। बाइडन ने ट्रंप को जो जवाब दिए, उन्होंने बतौर राष्ट्रपति उनकी योग्यता पर ही सवाल उठा दिया। अब सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी के करीब पांच सांसदों ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से जो बाइडन को बाहर करने की उठा दी है। इस बीच बाइडन का एक वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है, वीडियो देखकर आप समझ जाएंगे कि बाइडन के खिलाफ क्यों इस तरह की आवाजें बुलंद हो रही हैं।

यह वीडियो फिलाडेल्फिया के चर्च का है, जहां बाइडन अपने चुनाव अभियान के तहत पहुंचे थे। हालांकि इस दौरान उन्हें एक अजीबोगरीब स्थिति का सामना करना पड़ा। वीडियो में देख सकते है कि चर्च में पादरी ने सभी लोगों से खड़े होने को कहते, लेकिन बाइडन वहीं बैठे रह गए। इस दौरान बाइडन बेहद गुमसुम और बदहवास दिख रहे हैं। उनकी नजर बाई तरफ कहीं टिकी थी। हालांकि यह साफ नहीं कि वह क्या देख रहे थे। इसके थोड़ी देर बाद वह धीरे-धीरे अपनी सीट से उठकर खड़े होते हैं। यह वीडियो वायरल होने के साथ अमेरिका सहित दुनियाभर में चर्चा में आ गया है। कई लोग ये साफ मान रहे हैं कि बाइडन राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप का मुकाबला करने के लिए बिल्कुल भी काबिल नहीं। इस बीच बाइडन की लोकप्रियता रेटिंग में भी गिरावट आई है और उनकी अपनी पार्टी के ही साथियों ने उनके सेहत पर सवाल उठाते हुए कहना शुरू कर दिया है कि उनमें अगले चार सालों तक शासन करने की क्षमता ही नहीं है।

रूस में पीएम मोदी की आवभगत से चीन की बढ़ी धड़कन

-बोला-रुस-यूक्रेन युद्ध शांति से बातचीत कर खत्म कराने का किया आह्वान

बीजिंग (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार को रूस के दौरे हैं। उनकी इस यात्रा पर दुनियाभर की नजर टिकी हैं। माना जा रहा है कि पीएम मोदी दोनों देशों के बीच कारोबार और रक्षा क्षेत्र में बड़े समझौते कर सकते हैं। इसके साथ ही पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शिखर वार्ता में यूक्रेन संघर्ष पर भी बात होने की उम्मीद हैं।

रूस में पीएम मोदी के इस आवभगत से चीन की भी धड़कन बढ़ गई है और शायद इसी वजह से उसने रूस-यूक्रेन जंग पर सलाह दी है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस युद्ध को शांति से बातचीत के जरिये खत्म कराने का आह्वान किया है। शी चिनफिंग ने सोमवार को हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान से मुलाकात की। इस बैठक में उन्होंने वैश्विक महाशक्तियों से आह्वान किया कि रूस और यूक्रेन को सीधी बातचीत फिर से शुरू करने में मदद करें। ओरबान पिछले हफ्ते रूस और यूक्रेन की यात्रा करने के बाद चीन पहुंचे थे। वह यूक्रेन में शांति समझौते की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए कई देशों की यात्राएं कर रहे हैं। ओरबान ने शांति के लिए चीन की पहल की तारीफ करते हुए उसे वैश्विक उथल-पुथल के बीच स्थिरता लाने वाली ताकत करार दिया। वहीं ओरबान ने कहा रूस और यूक्रेन के अलावा 'युद्ध खत्म होना तीन ग्लोबल पॉवर- अमेरिका, यूरोपीय संघ और चीन के फैसले पर निर्भर करता है। उधर यूक्रेन में संघर्ष के बीच रूस रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने भी वहां शांति की हिमायत की और कहा कि भारत शांतिपूर्ण और स्थिर क्षेत्र के लिए सहयोगात्मक भूमिका निभाना चाहता है।

अंतरिक्ष जानकारों ने नासा को दी सलाह कहा- सुनीता विलियम्स की वापसी के लिए चलाएं रेस्क्यू

मॉस्को (एजेंसी)। वाशिंगटन(ईएमएस)। एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर अंतरिक्ष स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर फंस गए हैं। दोनों अंतरिक्ष यात्री बीते महीने 5 जून को अंतरिक्ष के लिए रवाना हुए थे। अंतरिक्ष में उनका मिशन केवल एक सप्ताह के लिए ही था, लेकिन एक महीने से भी ज्यादा समय बीत चुका है और अभी तक उनकी वापसी के बारे में कोई अपडेट नहीं है। सुनीता की वापसी को लेकर अंतरिक्ष के जानकारों ने नासा को सुझाव दिया है कि नासा को रेस्क्यू चलाना चाहिए। बता दें कि बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान के थ्रस्टर में खराबी के बाद इसका धरती पर वापसी का मिशन रोक दिया गया है।

नासा के इंजीनियर स्टारलाइनर की समस्या को ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं, इस दौरान दोनों एस्ट्रोनॉट स्पेस स्टेशन पर दूसरे यात्रियों के साथ रहना पड़ रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या दोनों अंतरिक्ष यात्रियों की धरती पर वापसी कब होगी और क्या नासा को इसके लिए रेस्क्यू मिशन शुरू करने की जरूरत है।

इन सवालों का जवाब अंतरिक्ष प्रणालियों और मिशनों के विशेषज्ञ पैट्रिक विनिंग ने दिया है। पैट्रिक जॉन्स हॉपकिंस एप्लाइड फिजिक्स लैब में नेशनल सिक्योरिटी स्पेस के लिए मिशन एरिया एग्जीक्यूटिव के रूप में काम करते हैं। उन्होंने बताया कि दोनों अंतरिक्ष यात्रियों के लिए रेस्क्यू अभियान की बात करना अनावश्यक है। इसकी वजह बताते हुए वे कहते हैं कि पहले तो यह समझना होगा कि स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट में सवार होकर आईएसएस पर पहुंचे अंतरिक्ष यात्री फंसे नहीं है। न ही आईएसएस पर पहले से मौजूद सात दूसरे अंतरिक्ष यात्री ही फंसे हुए हैं।यहां हमें याद रखने की जरूरत है कि अंतरिक्ष में जाना कठिन है। वहीं, मानव अंतरिक्ष उड़ान तो और भी कठिन है। स्टारलाइनर के डिजाइन में कई बैकअप सिस्टम हैं, जिसने आईएसएस पर इसके पहुंचने को सफल बनाया, लेकिन बैकअप सिस्टम के साथ भी अप्रत्याशित स्थितियों को समझना महत्वपूर्ण है। यही वजह है कि नासा अधिक डेटा एकत्र कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि रेस्क्यू मिशन आम तौर पर सेना चलाती है, जैसे कि अगर कोई स्पेसक्रॉफ्ट लॉन्च के समय समुद्र में गिर जाए।

फ्रांस में त्रिशंकु संसद के आसार....किसी को बहुमत नहीं

पेरिस । फ्रांस में हुए संसदीय चुनाव में वामपंथी गठबंधन ने धुर-दक्षिणपंथी दलों को शिकस्त देकर सबसे ज्यादा सीटें जीतीं। हालांकि, वह बहुमत हासिल करने में नाकाम रहा, जिससे देश में त्रिशंकु संसद की आशंका बढ़ गई है। फ्रांस में राजनीतिक उथल-पुथल से अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है और यूक्रेन में युद्ध, वैश्विक कूटनीति तथा यूरोप की आर्थिक स्थिरता पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। फ्रांस की संसद का कार्यकाल 2027 में खत्म होना था, लेकिन यूरोपीय संघ में नौ जून को बड़ी हार मिलने के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने समय से पहले संसद भंग कर बड़ा दांव खेला था। उन्होंने कहा था कि फिर मतदाताओं के बीच जाने से स्थिति 'स्पष्ट' होगी। हालांकि, उनका यह दांव लगभग हर पड़ाव पर उल्टा पड़ता दिखा है। आधिकारिक नतीजों के मुताबिक, संसदीय चुनाव में तीनों प्रमुख गठबंधन में से कोई भी 577 सदस्यीय नेशनल असेंबली में बहुमत के लिए जरूरी 289 सीटों का जादुई आंकड़ा नहीं छू सका।

अब रिसर्च करने श्रीलंका आएंगे विदेशी जहाज, श्रीलंका हटाएगा बैन

-चीन की पड़ोसी देशों पर बुरी नजर के चलते भारत की बढ़ी चिंता

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका ने अपने जल क्षेत्र में रिसर्च के लिए आने वाले जहाजों पर लगे प्रतिबंध को हटाने का फैसला किया है। अगले साल विदेशी अनुसंधान जहाजों पर से यह प्रतिबंध हटा जाएगा। श्रीलंका का ये फैसला चीन के लिए अच्छा तो वहीं भारत की सुरक्षा दृष्टि से ये चिंता का सबब है क्योंकि रिसर्च के नाम पर चीन के जहाज पड़ोसी देशों में जासूसी करते रहे हैं। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने इसका ऐलान किया है।

उन्होंने कहा कि हम अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग नियम नहीं बना सकते हैं। हम दूसरे देशों को इजाजत देकर सिर्फ चीन को बैन नहीं कर सकते हैं। इस साल जनवरी में श्रीलंका ने विदेशी शोध जहाजों की यात्रा पर प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया था, जिसे अब हटाया जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक साबरी ने कहा है कि श्रीलंका अगले साल से अपने बंदरगाहों पर विदेशी शोध जहाजों को आने की इजाजत देगा।

उन्होंने कहा कि यह कदम श्रीलंका को अपना खुद का सर्वेक्षण करने, डाटा एकत्र करने और इसे बाकी दुनिया के साथ साझा करके व्यावसायिक रूप से दोहन करने का अवसर देगा। बीते साल मई में चाइना मर्चेंट्स ग्रुप ने कोलंबो पोर्ट पर एक बड़े लॉजिस्टिक्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए 400 मिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की थी। ये 2022 में दिवालिया होने के बाद से श्रीलंका में आने वाला पहला बड़ा विदेशी निवेश है।

वहीं दूसरी ओर भारत अपने क्वाड भागीदारों, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ, हिंद महासागर क्षेत्र में चीन के प्रभाव का मुकाबला करने पर ध्यान दे रहा है। 2020 में भारत ने श्रीलंका और मालदीव के साथ कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन किया, इसे मॉरीशस, सेशेल्स और बांग्लादेश को शामिल करने के लिए विस्तारित किया।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 20 जून, 2024 को कोलंबो की अपनी यात्रा के दौरान, कोलंबो नौसेना मुख्यालय में स्थित एक समुद्री बचाव समन्वय केंद्र का उद्घाटन किया था। अमेरिका भी श्रीलंकाई बंदरगाहों पर बड़ी भूमिका निभा रहा है। जापान ने भी श्रीलंका को पानी के नीचे सोनार से लैस एक जहाज देने की योजना बनाई है, जिसका इस्तेमाल देश की समुद्र विज्ञान सर्वेक्षण क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए अन्य जहाजों के स्थान का पता लगाने के लिए किया जाता है।

निठारी हत्याकांड : फिर कानून के शिकंजे में फंसा नरपिशाच,सुप्रीम कोर्ट करेगा परीक्षण

नई दिल्ली। (एजेंसी)

करीब डेढ़ दशक पुराने निठारी हत्याकांड में एक नया मोड़ आया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ यूपी सरकार और सीबीआई सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। अब इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा सुरेंद्र कोली को बरी किए जाने के फैसले का सुप्रीम कोर्ट परीक्षण करेगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार और सीबीआई की याचिका पर नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले से लंबित सभी मामलों को इसके साथ जोड़ दिया है और उसने सुरेंद्र कोली को नोटिस जारी किया है। बता दें कि मई महीने में गौतमबुद्ध नगर के निठारी गांव में घर के पिछवाड़े कई कंकाल मिलने से खुले कई हत्याकांड के अभियुक्तों मनिंदर सिंह पंधेर और सुरेंद्र कोली के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा एक्शन लिया था। मनिंदर सिंह पंधेर और सुरेंद्र कोली को बरी किए जाने को चुनौती देने वाली अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार और अभियुक्तों को नोटिस देकर जवाब तलब किया था। सुरेंद्र कोली और पंढेर को निचली अदालत ने मृत्यु दण्ड देने का फैसला किया था। मगर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पिछले साल अक्टूबर में दोनों को बरी कर दिया।

उत्तर प्रदेश सरकार और सीबीआई की ओर से शीर्ष अदालत में पेश हुए एसजी तुषार मेहता ने कहा, 'वह एक सीरियल किलर है। छोटी लड़कियों को बहला-फुसलाकर ले जाता था। उनकी हत्या करता था। उन्हें पकाता था। ट्रायल कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने इसे पलट दिया। यह वाकई भयानक है।' अब मामले की अगली सुनवाई कब होगी, इसकी तारीख सामने नहीं आई है। माना जा रहा है कि सीबीआई और योगी सरकार के इस कदम से सुरेंद्र कोली की मुसीबत बढ़ जाएगी। साल 2017 में भी गाजियाबाद की विशेष सीबीआई अदालत ने सुरेंद्र कोली और पंढेर को पिंकी सरकार की हत्या मामले में फांसी की सजा सुनाई थी। इससे पहले गाजियाबाद की एक विशेष अदालत ने निठारी हत्याकांड से जुड़े मामले में कारोबारी मोनिंदर सिंह पंढेर और उसके नौकर सुरेंद्र कोली को दोषी माना था। सुरेंद्र कोली और मोनिंदर पंढेर को को न्यायाधीश पवन कुमार तिवारी ने फांसी की सजा सुनाई थी। ये मामला पिंकी सरकार की हत्या से जुड़ा हुआ था। पंढेर और कोली को इस मामले में अपहरण, बलात्कार और हत्या का दोषी पाया गया था। 2006 में जब निठारी केस का खुलासा हुआ था तो उस समय पूरा देश इस क्रूर हत्याकांड से सहम गया था। नोएडा के निठारी गांव की कोठी नंबर डी-5 से जब नरकंकाल मिलने शुरू

हुए, तो पूरे देश में सनसनी मच गई थी। जांच के दौरान मानव हड्डियों के हिस्से और 40 ऐसे पैकेट मिले थे, जिनमें मानव अंगों को भरकर नाले में फेंक दिया गया था। निहारी हत्याकांड का आरोपी सुरेंद्र कोली फिलहाल इलाहाबाद हाईकोर्ट से बरी हो गया है।

2027 की तैयारी में मायावती.....पांच जिले की कार्यकारिणी में बदलाव

लखनऊ। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने संगठन में बड़ा बदलाव किया है। बसपा ने पांच जिले की कार्यकारिणी में बदलाव किया। बसपा मुखिया और पूर्व सीएम मायावती ने 2027 के चुनाव के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है। लखनऊ, प्रयागराज, रायबरेली, प्रतापगढ़ और उन्नाव के लिए नई जिला कमेटियां गठित की हैं। बसपा की तरफ से जारी किए गए पत्र में बताया गया है कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के आदेश पर नई कार्यकारिणी बनाई गई है। लखनऊ की जिला कमेटी में बदलाव किए गए हैं और राकेश जायसवाल को इसका उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं रामशंकर गौतम को जिला सचिव बनाया गया है। इसके अलावा युसुफ गाजी को जिला खजांची नियुक्त किया गया है। विशाल कांशी और कुलदीप रावत को जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। वहीं विजय चौधरी को बीवीएफ संयोजक और आरके बर्मन को जिला संयोजक बामसेफ बनाया गया है। इस तरह के उन्नाव जिले की जिला कमेटी में पदाधिकारीगण मनोनीत किए गए हैं। मूलचन्द्र लोधी को जिला उपाध्यक्ष सुदामा पासी को जिला महासचिव जबकि जिला सचिव अमर सिंह गौतम जिला खजांची रईस वेग, जिला कार्यकारिणी सदस्य सतीश पासी और बीरेन्द्र गौतम बने हैं। जिला बी.वी.एफ संयोजक नरेश भारती और रामनरेश गौतम को जिला संयोजक बामसेफ बनाया गया है। रायबरेली की जिला कमेटी में रामविलास लोधी को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जिला महासचिव की जिम्मेदारी संदीप कुमार रावत को दी गई है। वहीं दिनेश पाल को जिला सचिव बनाया गया है। जिला खजांची मो. फारूख, जिला कार्यकारिणी सदस्य मंगल प्रसाद, चन्द्रकेश बने हैं। जिला बी.वी.एफ संयोजक अमरनाथ कोरी और बामसेफ का जिला संयोजक अनिल कान्त को बनाया गया है। जनपद प्रतापगढ़ की जिला कमेटी में जिला उपाध्यक्ष अनवर अली, जिला महासचिव नीरज पासी, जिला सचिव रामआसरे आर्या, जिला खजांची उमाकांत पांडेय, जिला कार्यकारिणी सदस्य उमाशंकर पाल और बांके लाल पटेल बने हैं। जिला बीवीएफ संयोजक की जिम्मेदारी धर्मराज गौतम को मिली है। जबकि जिला संयोजक बामसेफ राजाराम गौतम बने है। इसतरह प्रयागराज की जिला कमेटी में जिला उपाध्यक्ष अब्दुल रहमान, जिला महासचिव बुद्धि प्रकाश भारती (पासी), जिला सचिव आकाश वर्मा, जिला खजांची मनोज पाल, जिला कार्यकारिणी सदस्य भोला चौधरी और अतुल कुमार बने हैं।

राहुल गांधी के मणिपुर-असम दौरे को लेकर कांग्रेस-भाजपा में छिड़ा वाकयुद्ध

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को हिंसा प्रभावित मणिपुर जाने से पहले असम के कछार जिले में बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की। लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के बाद राहुल गांधी का यह पहला पूर्वोत्तर दौरा है। राहुल गांधी का असम दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब राज्य में कई दिनों से मूसलाधार बारिश के कारण भयंकर बाढ़ आई हुई है, जिससे भूस्खलन हो रहा है और नदियां उफान पर हैं। इस बाढ़ से 28 जिलों के करीब 22.70 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

इस बीच राहुल गांधी के मणिपुर और असम दौरे को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर साधा निशाना।

उन्होंने पीएम मोदी की रूस की आगामी यात्रा और जातीय हिंसा भड़कने के बाद मणिपुर की यात्रा न करने को लेकर उनकी आलोचना की। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि आज, गैर-जैविक प्रधानमंत्री मॉस्को की यात्रा कर रहे हैं, जबकि लोकसभा में विपक्ष के नेता असम और मणिपुर जा रहे हैं। बेशक, गैर-जैविक प्रधानमंत्री के ढोल पीटने वालों ने दावा किया है कि उन्होंने कुछ समय के लिए रूस-यूक्रेन युद्ध को रोक दिया है। उन्होंने कहा कि संभवतः पीएम की मॉस्को की यह यात्रा और भी विचित्र दावों को जन्म देगी।

उन्होंने कहा कि 14 महीने पहले राज्य में हुए विस्फोट के बाद से राहुल गांधी का मणिपुर का यह तीसरा दौरा है। गैर-जैविक प्रधानमंत्री को 3 मई, 2023 को गंभीर संकट के उभरने के बाद भी मणिपुर का दौरा करने का समय नहीं मिला और न ही उनकी इच्छा थी। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री-जो उनकी अपनी पार्टी से हैं और विधायकों और सांसदों समेत राज्य के अन्य राजनीतिक नेताओं से भी मुलाकात नहीं की।

मणिपुर के लोग कई सालों से अपने पीएम की राह देख रहेः मनोज झा

पटना। (एजेंसी)

राष्ट्रीय जनता दल सांसद मनोज झा ने नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी के मणिपुर दौरे को लेकर पीएम मोदी पर हमला बोला। उन्होंने नीट के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। मनोज झा ने राहुल गांधी के मणिपुर दौरे पर कहा कि मणिपुर के लोग पिछले कई सालों से अपने पीएम मोदीजी की राह देख रहे हैं। क्या पीएम मोदी का फर्ज नहीं बनता की वह वहां जाएं? राहुल गांधी तीसरी बार वहां गए हैं।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी मणिपुर नहीं जाते हैं, मणिपुर का जिक्र नहीं करते, लोगों को इससे तकलीफ होती है। पीएम मोदी को यह समझना होगा कि वह देश के प्रधानमंत्री हैं। पीएम मोदी के रूस दौरे पर उन्होंने कहा कि पीएम मोदी विदेश जा रहे हैं, वहां घरेलू राजनीति की आलोचना नहीं करनी चाहिए। रूस से संबंधित बहुत सारे गंभीर मुद्दे हैं, रुस-यूक्रेन युद्ध है, पाकिस्तान और रूस के बीच भी कुछ मामला है। मुझे लगता है कि पीएम मोदी को इन सब मुद्दों पर बात करनी चाहिए। नीट परीक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि मैं नतीजों का इंतजार कर रहा हूं। लाखों बच्चों के भविष्य के साथ सरकार ने खिलवाड़ किया है। एनटीए को फ्रॉड संस्था बताते हुए उन्होंने कहा कि इसको उखाड़ कर बंगाल की खाड़ी या अरब सागर में फेंक देना चाहिए। हाथरस की घटना पर उन्होंने कहा इस देश को क्या हो गया है। हर रोज नए बाबा पैदा हो रहे हैं। कोई जूता सुंघा रहा है, देश में धर्म की हवा चल रही है। देश ने अपने यूएसपी खो दी है, उन घरों का क्या हो रहा होगा जिनके घर के चिराग बुझ गए?

5,803 श्रद्धालुओं का एक और जत्था बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना

जम्मू। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर में अभी तक 1.82 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। सोमवार को 5,803 श्रद्धालुओं का एक और जत्था कश्मीर के लिए रवाना हुआ। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि आज 5,803 यात्रियों का एक और जत्था भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। 88 वाहनों का पहला सुरक्षा काफिला 1862 यात्रियों को लेकर सुबह 3.10 बजे उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ था जबकि 3941 यात्रियों का दूसरा जत्था 130 वाहनों के दूसरे काफिले में सुबह चार बजे दक्षिण कश्मीर के नुनवान बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। मौसम विभाग ने दोनों यात्रा मार्गों पर आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दिन में रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना जताई है। श्रद्धालु या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग से यात्रा करते हैं या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग जाने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग से जाने वालों को दर्शन करने के बाद उसी दिन आधार शिविर लौटना होता है। दोनों मार्गों पर और पारगमन शिविरों और गुफा मंदिर में 124 से ज्यादा लंगर बनाये गए हैं। इस साल की यात्रा में सात हजार से ज्यादा सेवादार यात्रियों की सेवा कर रहे हैं। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

पंचकूला में तेज रफ्तार बस पलटी, 40 लोग घायल, एक की हालत गंभीर

- घायलों में स्कूली छात्र भी शामिल, घटना के बाद ड्रायवर फरार

पंचकूला। (एजेंसी)

पंचकूला जिले के पिंजौर के पास हरियाणा रोडवेज की बस के पलटने से करीब 40 लोग घायल हो गए उसमें कुछ स्कूली छात्र भी हैं। यह दुर्घटना बस चालक द्वारा तेज गति से वाहन चलाने के कारण हुई।

पुलिस के मुताबिक सोमवार को हरियाणा के पंचकूला में पिंजौर के पहाड़ी इलाके के पास तेज रफ्तार बस पलटने से करीब 40 लोग घायल हो गए उसमें कुछ स्कूली छात्र भी शामिल हैं। वहीं एक महिला गंभीर बताई जा रही है उसके चंडीगढ़ रेफर किया गया है। घायल छात्रों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कालका पुलिस के मुताबिक हरियाणा रोडवेज की बस से हुई दुर्घटना में घायल हुए लोगों में कुछ स्कूली छात्र भी शामिल हैं। दुर्घटना के बाद बस ड्राइवर और कंडक्टर को निलंबित कर दिया गया है। हरियाणा रोडवेज की मिनी बस का ड्राइवर मौके से भाग गया और कंडक्टर को चोटों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना में घायल एक महिला को गंभीर हालत में चंडीगढ़ रेफर किया गया है। पुलिस घटना की जांच के लिए दुर्घटनास्थल पर पहुंची। बताया जा रहा है बस में क्षमता से ज्यादा सामान भरा था और सड़क खराब होने की वजह से यह घटना घटी है।

मेरी भारत जोड़ो यात्रा की सफलता में पूर्व सीएम रेड्डी का अहम योगदान : राहुल गांधी

कांग्रेस नेताओं ने राजशेखर रेड्डी को किया याद

नई दिल्ली । (एजेंसी)

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वाईएस राजशेखर रेड्डी की जयंती पर उन्हें याद कर कहा कि कन्याकुमारी से कश्मीर तक निकाली गई उनकी 'भारत जोड़ो यात्रा रेड्डी की अपने राज्य में निकाली गई पदयात्रा से प्रेरित थी। उन्होंने उम्मीद जाहिर कि राजशेखर रेड्डी की पुत्री वाईएस शर्मिला अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाएगी क्योंकि शर्मिला आंध्र प्रदेश के लोगों के लिए वहीं भावना, लगाव और स्नेह है, जो राजशेखर रेड्डी में होता था। शर्मिला आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष हैं। रेड्डी वर्ष 2004 से 2009 तक आंध्र प्रदेश के सीएम रहे। सितंबर, 2009 में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री बनने से पहले उन्होंने आंध्र प्रदेश में पदयात्रा के द्वारा बड़ा जनसंपर्क अभियान चलाया था और चुनावी माहौल बदलने में अहम योगदान माना जाता है। राहुल गांधी ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि अगर आज वह जीवित होते तब आंध्र पूरी तरह से अलग तरह का राज्य होता, यह प्रदेश उन त्रासदी और परेशानियों का सामना नहीं कर रहा होता जिनकी आज कर रहा है।

राहुल गांधी ने कहा, शर्मिला जी उनकी बेटी हैं और मैं उन्हें अच्छी तरह जानता हूं। मुझे भरोसा है कि वह राजशेखर रेड्डी जी की विरासत को आगे बढाएंगी। वह ऐसा कर पाएंगी क्योंकि उनमें भी आंध्र प्रदेश के लोगों के लिए वही भावना, लगाव और स्नेह है जो राजशेखर

रेड्डी में होता था।

राहुल ने कहा, मैंने निजी तौर पर राजशेखर रेड्डी से बहुत कुछ सीखा। मेरी 'भारत जोड़ो यात्रा राजशेखर रेड्डी द्वारा आंध्र प्रदेश में निकाली गई यात्रा से प्रेरित थी। मुझे उनकी यात्रा का वहां दृश्य याद है जब वह गर्मी, बारिश में चल रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कई अन्य कांग्रेस नेताओं ने भी रेड्डी की जयंती पर उन्हें याद किया।

कुमाऊं में भारी बारिश और लैंडस्लाइड के कारण सौ से अधिक सड़कें बंद

हल्द्वानी। (एजेंसी)

बीते 72 घंटों से कुमाऊं में हो रही बारिश के चलते 100 से ज्यादा सड़क बारिश के कारण हुए लैंडस्लाइड से बंद चल रही हैं । पिथौरागढ़ में तो एक तरह से भारत-चीन सीमा से संपर्क भी कट गया है, क्योंकि पिथौरागढ़ शहर से इन इलाकों को जोड़ने वाली ज्यादातर सड़कों पर लैंडस्लाइड हुआ है। सड़कों पर हुए लैंडस्लाइड को खोलने के लिए जगह-जगह जेसीबी और पोकलैंड मशीन तैनात की गई है, लेकिन लगातार हो रही बारिश काम करने में दिक्कत पैदा कर रही है। हालात ऐसे हैं कि सोमवार को ऊधम सिंह नगर,पिथौरागढ़, चंपावत, बागेश्वर, नैनीताल और अल्मोड़ा जिलों के डीएम को अपने जिलों में मौजूद आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों को बंद रखने का फैसला लेना पड़ा है।बारिश को देखते हुए स्टेट पुलिस फोर्स के साथ ही एसडीआरएफ और एनडीआरएफ को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है। एसडीआरएफ की टुकड़ी हर जिले में तैनात की गई है। कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने सभी जिलों के डीएम को निर्देश दिए हैं कि वह निजी तौर पर पूरी स्थिति पर निगाह रखें और कोई भी आपात स्थिति होने पर तुरंत कमिश्नर को सूचित करें। ताकि आपदा प्रबंधन में देरी न हो। डीआईजी कुमाऊं योगेंद्र सिंह रावत ने भी सभी जिलों के पुलिस कप्तानों को स्थिति पर निगाह बनाए रखने और लोगों की हर संभव मदद करने के निर्देश दिए हैं। सरकार की लोगों से अपील है कि वह नदी नालों और गधेरों से दूर रहें। कुमाऊं में पिथौरागढ़ में काली से लेकर टनकपुर में शारदा, रामनगर में कोसी, दाबका,।मगंगो ,अल्मोड़ा में कोसी, बागेश्वर में सरयू, हल्द्वानी में गौला, नंधौर, कैलाश नदियां उफान पर हैं।सभी नदियां खतरों के निशान से ऊपर बह रही हैं। सभी नदियों से बड़ी मात्रा में पानी को छोड़ा गया है, जिसके कारण निचले इलाकों में या नदी के किनारे के इलाकों में खतरा पैदा हो गया है। प्रशासन की लोगों से अपील है कि वह नदी नालों से दूर रहे।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी को वापस बुलाने टंकी पर चढ़ा पति

-पुलिस ने किया गिरफ्तार, थमाया 05 लाख का नोटिस

चूरू। प्रेमी के साथ लिव इन में रह रही पत्नी को वापस बुलाने की मांग को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ा पति उस समय हैरान रह गया जब पुलिस ने उसे पांच लाख रुपए का नोटिस भेज दिया। यह शख्स अपनी मांग को लेकर करीब चार घंटे तक जलदाय विभाग की पानी टंकी पर चढ़ा रहा। उसे नीचे उतारने पुलिस प्रशासन चार घंटे वहां मशक्कत करता रहा। आखिरकार समझाइस के बाद उसे नीचे उतर लिया गया। नीचे उतरने के बाद उस व्यक्ति पर पुलिस ने उसे शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया बल्कि पुलिस फोर्स और अन्य संसाधानों के खर्चे का भुगतान करने के लिए पांच लाख रुपये का नोटिस भी थमा दिया। चूरू पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि शहर के वन विहार कॉलोनी में स्थित जलदाय विभाग की टंकी पर चढ़कर प्रदर्शन करने वाले शख्स को कोतवाली पुलिस ने नीचे उतार कर गिरफ्तार कर लिया है। डीएसपी के मुताबिक सरदारशहर निवासी राशिद अपनी पत्नी सायना को प्रेमी से बरामद कर उसके साथ भेजने की मांग को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ गया था। उसकी पत्नी सायना बीते दो माह से अपने प्रेमी आबिद के साथ लिव इन में रह रही है। उसने पुलिस और प्रशासन का करीब चार घंटे का समय खराब किया है। मौके पर लगाए गए पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा प्रदान कराने की एवज में उसे 5 लाख रुपये का नोटिस अलग से दिया है। जलदाय विभाग की ओर से पेश की गई रिपोर्ट पर राशीद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

फिर एक बार कच्छ में भूकंप का झटका, कोई नुकसान नहीं

कच्छ . कच्छ में एक बार फिर भूकंप का झटका महसूस किया गया है. भारत-पाक सीमा पर 2.6 तीव्रता का झटका महसूस किया गया. सुबह 4.45 बजे झटका लगने से लोगों में दहशत फैल गई. जानकारी के मुताबिक भूकंप का केंद्र खावड़ा से 34 किलोमीटर दूर दर्ज किया गया. राहत की बात है कि भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण किसी के हताहत होने या क्षति की कोई खबर नहीं है। आपको बता दें कि इससे पहले कच्छ के भचाऊ के धोलावीरा इलाके में भूकंप आया था. यहां 2.8 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था. उसमें भी कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। भूकंप का झटका महसूस करने वाले लोगों में डर का माहौल देखा गया. भूकंप का केंद्र पाकिस्तान के पास धोलावीरा से 100 किलोमीटर दूर दर्ज हुआ था.

राहुल गांधी के बयान पर चिराग पासवान....ये अहंकार इन्हें ले डूबेगा

पटना । कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के गुजरात में बीजेपी को हराने वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि पहले राहुल गांधी समझ जाएं कि अयोध्या नहीं फैजाबाद लोकसभा है, अयोध्या उसकी एक विधानसभा है। चिराग ने कहा कि हम लोग आकलन कर रहे हैं, कि कहां पर चूक हुई। इसके बाद जहां हम लोग सीखते हुए मजबूती से आगे बढ़ रहे है। वहीं इन लोगों का ये अहंकार इन्हें ले डूबेगा। 100 का आंकड़ा वे (कांग्रेस) लोग पार नहीं कर सके। मुझे नहीं लगता वे लंबे समय तक टिकने वाले हैं। उन्होंने कहा कि उनका घमंड अब और नहीं टिकेगा क्योंकि आगामी चुनावों के नतीजे बताएंगे कि एनडीए कितना मजबूत है। रुपौली विधानसभा क्षेत्र के दौरे के बारे में चिराग ने कहा कि रूपौली में जिस तरह से लोकसभा चुनाव हुए थे। उपचुनाव में भी कुछ ऐसा ही माहौल है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि एनडीए उम्मीदवार भारी बहुमत से चुनाव जीतने जा रहा है। बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल गुजरात विधानसभा चुनाव में बीजेपी को वैसे ही हराएंगे, जैसे उन्होंने लोकसभा चुनाव में अयोध्या में हराया था।

दिल्ली सरकार ने दुर्भावनापूर्ण तरीके से किया शिक्षकों का तबादलाः मनोज तिवारी

नई दिल्ली। दिल्ली के सरकारी स्कूलों के पांच हजार शिक्षकों के तबादले को लेकर सत्तारूढ़ आप व भाजपा के नेता एक-दूसरे को जवाबदेह ठहरा रहे हैं। भाजपा के दिल्ली के सभी सातों लोकसभा सांसदों ने इस संबंध में उपराज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा और शिक्षकों के तबादले को रोकने की मांग की ज्ञापन देने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने बहुत ही दुर्भावनापूर्ण तरीके से शिक्षकों को तबादला किया है। इससे जहां शिक्षकों को परेशानी होगी, वहीं शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होगी। छात्रों का बहुत नुकसान होगा। इसलिए शिक्षा व छात्रों के हित में यह तबादला रुकना चाहिए। मनोज तिवारी ने आरोप लगाया कि सरकार के पास कोई समुचित तबादला नीति ही नहीं है। इस तरीके से मनमाने ढंग से तबादला करने से किसी का भला नहीं होगा। इससे व्यवस्था चरमरा जाएगी और छात्रों को बहुत अहित होगा। इसलिए सरकार को तबादले के लिए कोई तर्कपूर्ण नीति बनानी चाहिए। तिवारी ने कहा कि जिन शिक्षकों को तबादला किया गया है, वे बहुत परेशान हैं। वे हमारे नेताओं के यहां पहुंचकर अपनी पीड़ा व सरकार की मनमानी के बारे में बता रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुबई से आ रहे तस्कर गिरोह के ट्रैवल बैग की जांच के दौरान निकला पेस्ट

पेस्ट को घोला तो निकला ६० लाख का सोना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, दुबई से सूरत तक सोने की तस्करी करते हुए एक महिला समेत ४ लोग पकड़े गए है. आरोपी ट्रैवल बैग के अंदर सोने का पेस्ट बनाकर सूरत में तस्करी कर रहे थे. एयरपोर्ट पर सोने की पहचान को रोकने के लिए आरोपियों ने एक विशेष रसायन का इस्तेमाल किया. हालांकि सूरत एसओजी ने एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी करने वाले गिरोह को पकड़ लिया है. पूरी घटना सामने लाने के लिए ज्वैलर से पेस्ट की जांच कराई, जब पेस्ट को घोला गया तो ९२७ ग्राम सोना (कीमत ६४,८९,०००) निकला. इसके साथ ही सोने की तस्करी में शामिल एक दंपत्ति समेत सभी आरोपी मांगरोल के मूल निवासी हैं.

एसओजी से मिली जानकारी के मुताबिक, दुबई से सोने की तस्करी कर सूरत एयरपोर्ट के बाहर से आ रहे १ महिला समेत ४ लोगों को गिरफ्तार किया गया है. आरोपियों का सोना तस्करी का नया कीमिया सामने आया है. सोने को एक ट्रैवेल बैग के अंदर पेस्ट बनाकर दुबई से फ्लाइट के जरिए सूरत लाया गया था. एसओजी ने अपने ही कार्यालय में सोने के आभूषण बनाने वाले कारीगर को बुलाकर पेस्ट की जांच की तो सोना निकला. कुल ९२७ ग्राम सोना तौलकर आरोपी दुबई से सूरत ले आए और एयरपोर्ट पर किसी को इसकी जानकारी नहीं हुई. इस सोने की कीमत ६४,८९,००० रुपये मानी जा रही है.

पूरे मामले में एसओजी के डीसीपी राजदीप सिंह नकुमन ने कहा, बैग के अंदर सोने की परत बनाते थे. वह एक बार एक रसायन का प्रयोग करते थे. इस रसायन के छिड़काव से मेटल डिटेक्टर के अंदर सोने का पता नहीं चलता है. यह सोना पकड़ा संभव तभी है जब कुछ बातें पता चलेंगी. हवाई अड्डे से आसानी से पहुँचा जा सकता है. सोना तब निकला जब बैग रैक के पीछे की रैक को पिघलाया गया.

रक्ज़न के पीछे सोने का एक कागज़ जैसा रखा गया था और उसके ऊपर एक काला कपड़ा लपेटा गया था. सभी आरोपी सूरत के मांगरोल गांव के मूल निवासी है. आरोपी नईम सालेह, उमे में सालेह पति-पत्नी है. जो वाहक के रूप में पकड़े गए. अब्दुल वह निवेशक है जिसने उन्हें भेजा था. फिरोज नूर एक ड्राइवर है. आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. दुबई से सोना किस व्यक्ति से लाया गया था, उसके बारे में भी जांच चल रही है. जिस तरह से फिनिशिंग की गई है, उससे लगता है कि ये लोग पहले भी इसी तरह सोना सूरत लेकर आए है. उसका रिमांड मिलने के बाद हम आगे की कार्रवाई करेंगे.

उन्होंने यह भी कहा कि यह जोड़ा एक वाहक है. सोना लाने के लिए उसे १५ हजार रुपये दिये गये थे. खास बात ये है कि दुबई और भारत में एक किलो सोने की कीमत ६ से ७ लाख रुपये तक होती है. जिसके चलते यह गतिविधि लगातार जारी है. कस्टम विभाग के अधिकारी भी जांच में शामिल होंगे. इन लोगों के पास बिल भी मिले है.

सचिन में मोबाइल दुकान से ५.७२ लाख रुपए चोरी करने वाले ६ गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सचिन स्टेशन रोड, कृष्णा लैंड कॉर्पोरेशन में स्थित मेहता इन्फोकॉम नामक दुकान से तस्करों ने ५.७२ लाख रुपये के मोबाइल फोन, स्मार्ट घड़ियां और अन्य कीमती सामान चुरा कर भाग गए. पुलिस ने कुछ ही घंटों में ६ आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाही की.

सूरत के सचिन इलाके में महेता इन्फोकॉम के ऑफिस में चोरी की वारदात हुई थी. सचिन पुलिस ने ऑफिस में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले ६ आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात को सुलझा लिया है. पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी किए गए लैपटॉप, मोबाइल फोन नकदी और चोरी में इस्तेमाल किए गए उपकरण जब्त कर लिए हैं और आगे की जांच कर रही है.

सचिन पुलिस द्वारा दर्ज चोरी के अपराध को सुलझाने के लिए पुलिस द्वारा दो अलग-अलग टीमों का गठन किया गया था. जिसमें सीसीटीवी फुटेज और मानव सूत्रों के आधार पर आरोपियों का पता लगाने का प्रयास किया गया. इस बीच, सीसीटीवी फुटेज और मानव स्रोतों के आधार पर, यह पता चला कि आरोपी चोर सूरत के बीआरसी, उधना में प्रभुनगर के एसएमसी आवास में रह रहे थे. सूचना के आधार पर पुलिस ६ आरोपियों को पकड़ने में सफल रही. पुलिस ने सुनील मानतुं निनामा, बहादुर उर्फ बालू रावजी कटारा, मनोहरलाल उर्फ मेंदु ताराचंद मईडा, रमेश उर्फ सुनील नारू निनामा, विनोद पुंजालाल निनामा,मुकेश लालसिंह को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपियों के पास से ५.८४ लाख की संपत्ति जब्त कर आगे की जांच की.

सूरत म्युनिसिपल के उधना-बी जोन में १७० संपत्तियां जर्जरित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम हर साल मानसून से पहले जर्जरित संपत्तियों का सर्वेक्षण करता है और फिर जर्जरित संपत्तियों की मरम्मत या उन्हें ध्वस्त करने के लिए नोटिस जारी करता है. हालाँकि, केवल नोटिस देकर काम निपटाने की प्रथा जर्जरित संपत्तियों में रहने वाले लोगों को जोखिम में डालती है. इसी नीति के कारण सचिन के पाली गांव क्षेत्र में संपत्ति दुर्घटना में सात लोगों की जान चली गई. सचिन के पाली गांव में ५ मंजिला इमारत गिरने के बाद नगर निगम की टीम ने आसपास की इमारतों का सर्वे शुरू कर दिया है. खास तौर पर वहां कितनी इमारतें है और उसकी संरचनात्मक स्थिरता कैसी है? इसके अलावा कितनी जर्जरित इमारतें कितनी? इन सब की एक सूची भी तैयार की जा रही है. कर्मचारी मकानों में जाकर एक-एक मकान का सर्वे कर यह ब्योरा जुटा रहे हैं कि मकान मालिक रहते हैं या किराएदार रहते है. साथ ही कितने लोग रह रहे हैं इसकी भी जानकारी तैयार की जा रही है.

सूरत नगर आयुक्त ने मानसून से पहले १४ जून को सूरत में जर्जरित संपत्तियों की समीक्षा बैठक की थी. म्युनिसिपल के सर्वे में उधना बी जोन कनकपुर कंसाड में सबसे ज्यादा १७१ जर्जरित संपत्तियां सामने आई है. म्युनिसिपल कमिश्नर ने जर्जरित संपत्तियों में रहने वाले मालिकों या कब्जाधारियों को निर्देश दिया कि यदि वे संपत्तियों की मरम्मत नहीं करते हैं तो तुरंत नल और जल निकासी कनेक्शन काट दे.

हालांकि, अधिकारियों ने जर्जरित संपत्ति के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की. मध्य क्षेत्र में दो संपत्तियां और उधना बी जोन में सचिन के पाली गांव में एक संपत्ति मानसून के दौरान ढह गई. नगर पालिका अब खतरनाक इमारतों पर किस तरह की कार्रवाई करती है, इस पर सबकी नजर है.

सचिन में बिल्डिंग हादसे में जिम्मेदार अधिकारियों-राजनीतिक सिफ़ारिशकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाही के लिए

पायल साकरिया का मेयर से निवेदन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सचिन पालीगांव में ५ मंजिला इमारत गिरने से ७ लोगों की मौत हो गई है. इसे लेकर विपक्षी नेता पायल सकारिया ने कहा कि सचिन पालीगांव दुर्घटना में जिस तरह की बिल्डिंग का अवैध निर्माण हुआ है. ऐसी इमारतें शहर में बिखरी हुई है. इस प्रकार के अवैध निर्माणों को लेकर स्थानीय लोगों की शिकायतों पर जोन स्तर पर ध्यान नहीं दिया जाता है. साथ ही जब याचिकाकर्ता मुख्यालय समेत निगरानी विभाग और पदाधिकारियों के खिलाफ शिकायत करते हैं तो सिर्फ दिखावे के लिए कार्रवाई की जाती है.

पायल सकारिया ने आगे कहा कि अवैध निर्माण उस क्षेत्र के शहरी विकास और काली कमाई का मुख्य स्रोत बन गया है. परिणामस्वरूप, मुझे इस बात का कोई आश्वासन नहीं दिखता कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं नहीं होंगी. ऐसे काम में संबंधित जिम्मेदार विभागीय अधिकारी और सिफारिशी नेता शामिल है. उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए. नीति नियमों के कारण जानलेवा इमारतें खड़ी की जाती हैं, उल्लेखनीय है कि सचिन पालीगांव की दुर्घटना प्रशासन के जिम्मेदार विभागों द्वारा अवैध संपत्ति पर बिना अनुमति के खतरनाक इमारत खड़ी कर वित्तीय व्यवहार करने की लापरवाही का नतीजा है.

सचिन पालीगांव दुर्घटना में, केवल मकान मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करने से संतुष्ट होने से ऐसी दुर्घटनाएं और नागरिकों की मौत की दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं नहीं रुकेंगी. इसमें शासकों/राजनीतिक नेताओं, शहरी विकास विभाग, कर संग्रह, मूल्यांकन विभाग, पानी और गटर कनेक्शन प्रदान करने वाले विभाग, सतर्कता विभाग और पानी और गटर सुविधाएं प्रदान करने के लिए अवैध संपत्तियों को वित्तीय लाभ प्रदान करने वाले विभाग सहित प्रशासन की दो-आयामी नीति होने की चर्चा है.

सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी कैप्टन मीरा कारगिल विजय दिवस पर श्रद्धांजलि देने के लिए

५ हजार किमी की यात्रा करेंगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सेवानिवृत्त सेना अधिकारी कैप्टन मीरा दवे अपने पति सिद्धार्थ दवे के साथ अपनी कार 'कारगिल विजय ज्ञानयात्रा २०२४' में ५००० किलोमीटर की स्मारक यात्रा करेंगी. यह यात्रा आज से सूरत अठवा लाइन्स इलाके से शुरू की गई है. मार्ग यात्रा २६ जुलाई २०२४ को कारगिल, द्रास में एक भव्य उत्सव के साथ समाप्त होगी.

सूरत शहर में रहने वाली सेवानिवृत्त भारतीय सेना अधिकारी मीरा दवे ने अपने पति सिद्धार्थ दवे के साथ आज से अपनी कार में किलोमीटर की यादगार सड़क यात्रा शुरू की है. जिसके पीछे की वजह है कारगिल विजय दिवस, २६ जुलाई २०२४ को कारगिल विजय दिवस की २५वीं वर्षगांठ है. कैप्टन मीरा दवे ने इस सफर को यादगार बनाने के लिए शुरुआत की है. वे २६ जुलाई को कारगिल में कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान का सम्मान करेंगे और भारत की जीत की २५वीं वर्षगांठ मनाएंगे.

कैप्टन मीरा दवे ने कहा कि वह कारगिल में आयोजित कार्यक्रमों में जा रहे है. यात्रा सूरत से शुरू हुई और राजस्थान में जयपुर, श्री गंगानगर और फिर बठिंडा, पंजाब में अमृतसर, जम्मू, जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर और फिर कारगिल में द्रास तक पहुंचेगी. स्थानीय छात्रों, शिक्षाविदों और जनता से बातचीत करेंगे. दौरे के दौरान जयपुर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. सिद्धार्थ दवे ने बताया कि कारगिल युद्ध के नायक महावीर चक्र से सम्मानित राजपूत रायफलसाना के दिगेंद्र कुमार जयपुर में मौजूद रहेंगे.

इस यात्रा, रोड यात्रा का उद्देश्य जागरूकता और प्रेरणा पैदा करना, बहादुरी की कहानियों और कारगिल विजय दिवस के महत्व को साझा करना है. मार्ग यात्रा २६ जुलाई २०२४ को कारगिल, द्रास में एक भव्य उत्सव के साथ समाप्त होगी. कारगिल विजय ज्ञान यात्रा २०२४ कारगिल युद्ध के नायकों को श्रद्धांजलि देती है और भारत के नागरिकों के बीच देशभक्ति और जागरूकता को भी बढ़ावा देती है.